email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:49 कटक शुक्रवार 01 जुलाई 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

पटना के हथुआ मार्केट में लगी भीषण आग, कई दुकानें आई चपेट में; करोड़ों का नुकसान

पटना। बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर आ रही है। पटना के पॉश बाजार में से एक हथुआ मार्केट में आग लग गई है। आग से कई दुकानें चपेट में आ गई हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। बताया जा रहा है कि आकाशीय बिजली गिरने की वजह से एक मोटरसाइकिल में आग लगी। फिर कई दुकानों में आग फैसल गई। आग की वजह से भारी नुकसान होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह पटना के हथुआ मार्केट में स्थित एक दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। उसने कई दुकानों को अपनी जद में ले लिया। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम तत?काल मौके पर पहुंच गई। आग इतनी भयावह है कि उसपर काबू पाने के लिए अग्निशमन दल के जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पटना में अलसुबह मौसम खराब होने की वजह से बिजली कड़क रही थी। हथुआ मार्केट में ठनका गिरने से एक मोटरसाइकिल में आग लग गई। उसके पास मौजूद दुकान ने आग पकड़ ली। इसके बाद देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कई दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। हालांकि प्रशासनिक और अग्निशमन के अधिकारियों ने आकाशीय बिजली की वजह से आग लगने की बात की पुष्टि नहीं की है। उनका मानना है कि किसी दुकान में शॉर्ट सर्किट भी आग की वजह हो सकता है। आग पर काबू पाने के बाद इसके कारण का पता लगाया जाएगा। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मगर दुकानों में रखे सामान जलने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया है।

कन्हैयालाल हत्याकांडः रियाज का साजिश वाला कमरा सीज, बीवी भी थी हमराज?

उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी के किशनपोल स्थित किराये के मकान को पुलिस ने सीज कर दिया है। पुलिस ने मकान मालिक और पड़ोसियों से भी लंबी पूछताछ की है।

उदयपुर। उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी के किशनपोल स्थित किराये के मकान को पुलिस ने सीज कर दिया है। पुलिस ने मकान मालिक और पड़ोसियों से भी लंबी पूछताछ की है। घटना के बाद से आसपास रहने वाले लोग सहमे हुए हैं। बताया जा रहा है कि रियाज ने इसी मकान में हत्या की साजिश रची थी और वारदात से पहले उसने बीवी-बच्चों को कहीं छिपा दिया।

एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के नेतृत्व में टीम ने करीब 2 घंटे तक घर के कमरों की जांच की। इसके बाद कमरों को सीज कर दिया गया। पुलिस ने रियाज के उस कमरे की भी तलाशी ली, जहां इस हत्याकांड की साजिश रची गई। मूल रूप से भीलवाड़ा में आसींद के रहने वाले रियाज ने यहां मेन रोड पर ट्रक ड्राइवर मोहम्मद उमर के घर में रूम किराये पर लिया था।

मकान के मालिक उमर ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पता चला था कि रियाज ने किसी को सरेआम मार दिया है। इसके बाद पुलिस उन्हें भी थाने ले गई। कुछ देर पूछताछ के बाद छोड़ दिया। उमर ने बताया कि रियाज की पत्नी कमरा किराये लेने आई थी। पहले वो इसी इलाके में टीटू भाई के मकान में किराये पर रहता था। 12 जून को ही वो यहां शिफ्ट हुआ था।

नूपुर शर्मा के समर्थन पर उदयपुर में कन्हैया लाल का रेता गला, क्या बोले सचिन पायलट

वारदात से पहले ही आरोपी का परिवार किसी रिश्तेदार के यहां चला गया है। रियाज के 13 वर्ष की बेटी व 11 वर्ष का बेटा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या रियाज की बीवी को भी इस साजिश के बारे में जानकारी थी? यदि वह इसमें शामिल नहीं थी तो पुलिस की जांच में सहयोग के लिए सामने क्यों नहीं आ रही है? या कन्हैया की हत्या से पहले उसने पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी।

एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के नेतृत्व में टीम ने करीब 2 घंटे तक घर के कमरों की जांच की। इसके बाद कमरों को सीज कर दिया गया। पुलिस ने रियाज के उस कमरे की भी तलाशी ली, जहां इस हत्याकांड की साजिश रची गई। मूल रूप से भीलवाड़ा में आसींद के रहने वाले रियाज ने यहां मेन रोड पर ट्रक ड्राइवर मोहम्मद उमर के घर में रूम किराये पर लिया था।

संजय राउत ने उद्धव ठाकरे के इस्तीफे पर कहा, महाराष्ट्र ने एक सभ्य मुख्यमंत्री खोया

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार रात कहा कि महाराष्ट्र ने उद्धव ठाकरे के रूप में एक समझदार और सभ्य मुख्यमंत्री खो दिया है, जिन्होंने शालीनता से पद छोड़ दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी रुचि 'संख्याबल के खेल' में नहीं है और इसलिए वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। राउत ने ट्वीट किया, ''मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) ने शालीनता से पद छोड़ दिया है। हमने एक समझदार और सभ्य मुख्यमंत्री खो दिया है।'' राउत ने कहा कि वे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ाएंगे और जेल जाने को तैयार हैं।

उन्होंने कहा, ''धोखेबाजों का अंत कभी अच्छा नहीं होता और इतिहास इसे साबित कर सकता है। अब, यह शिवसेना की भारी जीत की शुरुआत है। हम लाठियों का सामना करेंगे, जेल जाएंगे लेकिन बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को जिंदा रखेंगे।'' राउत ने यह भी कहा कि वह 2019 में मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए बाल ठाकरे के बेटे उद्धव को राजी करने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार के भी आभारी हैं। उन्होंने कहा, ''पवार ने अपना मार्गदर्शन दिया। जब उनके (उद्धव ठाकरे) लोग (शिवसेना के बागी विधायक) उनकी पीठ में छुरा घोंप रहे थे, पवार मजबूती से उद्धव के पीछे खड़े रहे।'' राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता हमेशा सरकार के साथ रहे। उन्होंने कहा, ''सत्ता आती-जाती है और यहां कोई भी स्थायी रूप से सत्ता में रहने के लिए नहीं है।'' उन्होंने यह भी कहा कि न्याय अवश्य होगा। राउत ने कहा, ''यह अग्निपरीक्षा का समय है। ये दिन जल्द ही बीत जाएंगे।'' इससे पहले उन्होंने कहा था कि ठाकरे जिम्मेदारी से भागने वाले नहीं हैं और वह अंत तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि शिवसेना फिर से उठेगी और एक शिवसैनिक फिर से मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने कहा, ''उद्धव ठाकरे हमारे नेता हैं। उन्हें जिस तरह का समर्थन है..वह अंत तक लड़ेंगे।'' राउत ने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि जो सत्ता हथियाना चाहते हैं वे ऐसा कर सकते हैं लेकिन भविष्य शिवसेना का होगा। ऐसे में जब उच्चतम न्यायालय शिवसेना की अर्जी पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उसने शक्ति परीक्षण कराने को चुनौती दी थी, ठाकरे ने कैबिनेट की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उन्हें उनके अपनों ने ही धोखा दिया।

न्यायालय ने नवाब मलिक व अनिल देशमुख को शक्ति परीक्षण में भाग लेने की अनुमति दी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद राकांपा विधायकों-नवाब मलिक और अनिल देशमुख को महाराष्ट्र विधानसभा में होने वाले शक्ति परीक्षण में भाग लेने की बुधवार को अनुमति दे दी। शक्ति परीक्षण बृहस्पतिवार को होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बी. परदीवाला की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि जांच एजेंसियां सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जेल में बंद राकांपा विधायकों मलिक और देशमुख को शक्ति परीक्षण के लिए विधानसभा लाएंगी और कार्यवाही समाप्त होने के बाद उन्हें वापस न्यायिक हिरासत में पहुंचा देंगी। पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ताओं को कल यानी 30 जून, 2022 को सुबह 11 बजे आहूत महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र में भाग लेने की अनुमति देते हैं। आवेदक याचिकाकर्ता अभी प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामलों के तहत न्यायिक हिरासत में हैं, इसलिए दोनों एजेंसियों को निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ताओं को विधानसभा कक्ष तक ले जाया जाए और कार्यवाही समाप्त होने के बाद,

आवेदकों को न्यायिक हिरासत में वापस पहुंचा दिया जाए।'' पीठ ने महाराष्ट्र सरकार के वकील को न्यायालय अदालतआदेश से सभी संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने का निर्देश दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में मलिक और देशमुख के अनुरोध का विरोध करने की कोशिश की और कहा कि उन्होंने सर्वोच्च अदालत के पहले के आदेश को रिकॉर्ड में नहीं रखा है। विधायकों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि यह रिकॉर्ड में है और विधान पार्षद (एमएलसी) चुनावों के संदर्भ में पारित किया गया था। पीठ ने तब मेहता से कहा, यह कोई चुनाव नहीं है, यह सदन में शक्ति परीक्षण है। उन्हें भाग लेने दें, वे निर्वाचित विधायक हैं। अन्यथा, यह एक खतरनाक उदाहरण बनेगा क्योंकि तत्कालीन सरकार अपनी स्थिति का दुरुपयोग करने की कोशिश कर सकती है और विपक्षी नेताओं को जेल में डाल सकती है।'' महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सर्वोच्च अदालत सामान्य समय के बाद भी बैठी तथा पीठ ने रात 9.15 बजे आदेश पारित करने के बाद मलिक और देशमुख की याचिकाओं का निपटारा किया। इससे पहले अधिवक्ता सुधांशु एस चौधरी ने कहा कि दोनों विधायकों पर धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और वे जेल में हैं।

शिवसेना के बागी विधायक बालाजी किनिकर को मिली जान से मारने की धमकी

ठाणे। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के बागी विधायक खेमे में शामिल अंबरनाथ से विधायक बालाजी किनिकर को जान से मारने की धमकी मिली है, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने वीरवार को यह जानकारी दी। दिन में पहले ठाणे जिले के अंबरनाथ में किनिकर के कार्यालय में गुमनाम पत्र प्राप्त हुआ।पुलिस के एक अधिकारी ने पत्र के हवाले से कहा कि इसमें आरोप लगाया गया है कि किनिकर अंबरनाथ में शिवसैनिकों को 'परेशान' कर रहे हैं और इसलिए एक दिन उन्हें जान से मार दिया जाएगा। पत्र प्राप्त करने वाले किनिकर के निजी सहायक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद मामले की जांच की जा रही है। इस बीच, अंबरनाथ में किनिकर को 'विश्वासघाती' बताने वाले पोस्टर सामने आए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सुहाना हुआ मौसम, सुबह-सुबह बारिश और तेज हवाओं ने गर्मी से दिलाई निजात

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से गर्मी और उमस से परेशान दिल्लीवासियों के लि गुरुवार सुबह राहत लेकर आई। ठंडी हवाएं और बारिश की बौछारों के साथ आखिरकार मानसून ने राजधानी में दस्तक दे दी। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सुबह से झमाझम बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है। विभाग की मानें तो बारिश और ठंडी हवाओं के कारम तापमान में छह से सात डिग्री की कमी आ सकती है।

दिल्ली में मानसून के दस्तक देने की संभावना थी। विभाग ने अनुमान जताया था कि दिल्ली में 29 या 30 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। आज बारिश से उम्मीद जताई जा रही है मानसून राजधानी पहुंच गया है। आज 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। विभाग के

अनुसार दो से चार जुलाई तक हल्की बारिश होगी। पांच जुलाई से तेज बारिश होगी।

तीन दिन बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन राजधानी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से लेकर मध्यम बारिश के आसार हैं। तेज हवा के साथ होने वाली बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दिन भर की गर्मी के बाद शाम छह बजे के बाद दिल्ली के मौसम में बदलाव देखने को मिला। बादल और ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से हल्की राहत प्रदान की। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार के दिन दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान हवाकी गति भी 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रह सकती है। इसे देखते हुए मौसम विभाग की ओर से ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार और शनिवार के दिन भी बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की मांग

उदयपुर हत्याकांड के दोषियों को मिले मौत की सजा

नई दिल्ली। उदयपुर में एक टेलर की हुई जघन्य हत्या पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी नाराजगी जताई है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की मांग है कि इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को मौत की सजा दी जानी चाहिए क्योंकि यह आरोपी किसी आतंकवादी और शैतान से कम नहीं हैं। मंच ने यह भी कहा कि सरकार को इस मामले में एक फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करना चाहिए और इस बर्बर अपराध के लिए फांसी दी जानी चाहिए।

दरअसल, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के देशभर के सभी पदाधिकारियों, राष्ट्रीय संयोजकों, सह संयोजकों, सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं प्रभारियों की एक ऑनलाइन बैठक में सभी ने इस हत्या की निंदा करते हुए सरकार से दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अफजाल और शाहिद अख्तर ने सभी से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि देश के सभी लोगों को धर्म, जात, समुदाय से ऊपर उठ कर नफरत को करारी शिकस्त देने के लिए काम करना है।

मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने कहा कि मजहब के नाम पर नासूर बन चुके लोगों का ऑपरेशन खात्मा होना चाहिए क्योंकि

ऐसे असामाजिक तत्वों के कारण देश के मुसलमानों और इस्लाम को कटघरे में खड़ा होना पड़ता है। जबकि इस्लाम सलामती, भाईचारा और अमन का मजहब है। इतना ही नहीं बैठक में यह भी बताया गया देश के प्रधानमंत्री को जिस भाषा में धमकी दी गई है उसे बर्दास्त नहीं किया जा सकता है और देश ऐसे गद्दारों को कठोर से कठोर सजा देने के पक्ष में है।

ठोक के मारेंगे, कन्हैयालाल के मर्डर पर गहलोत के मंत्री, कहा- खौला रहा मेरा खून -उधर टेलर कन्हैयालाल की बर्बरता से हत्या के बाद चौतरफा इसकी आलोचना हो रही है। हत्या की जांच में अब तक जो खुलासे हुए हैं उसमें पाकिस्तान लिंक भी सामने आया है। घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों का कनेक्शन काराची बेस्ड सुन्नी इस्लामिक संगठन दावत-ए-इस्लामी से है। हालांकि इस मामले में पाकिस्तान की तरफ से बयान भी सामने आया और कहा है कि आरोप बेबुनियाद हैं।

बता दें कि दोनों आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और केस को एनआईए के हवाले किया गया है। बता दें कि घटना को अंजाम देने के बाद उदयपुर से भागे आरोपियों को राजस्थान पुलिस ने राजसमंद जिले में नाका लगाकर दबोचा। दोनों आरोपी अजमेर शरीफ दरगाह की ओर बढ़ रहे थे और वहां एक अन्य वीडियो शूट करने वाले थे। कन्हैया की हत्या के तुरंत बाद इन्होंने हमले और इसकी जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो वायरल कर दिए थे।

संपादकीय

चिंता बढ़ाती महंगाई

जिस समय दुनिया की बड़ी शक्तियां जर्मनी में जी-७ की बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर माथापच्ची कर रही थीं, ठीक उसी वक्त देश में आई एक खबर मध्यवर्ग, खासकर निम्न आयवर्ग के लोगों की परेशानी बढ़ाने वाली है। खबरों के मुताबिक, पिछले पांच दिनों में देश में चावल के दामों में लगभग १० प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है और इसके पीछे वजह पड़ोसी बांग्लादेश द्वारा गैर-बासमती चावल पर आयात शुल्क में भारी कटौती बताई जा रही है। दरअसल, बांग्लादेश एक सघन आबादी वाला देश है। उसने कृषि उत्पादन के मामले में भी भरपूर तरक्की की है। वहां धान की अच्छी-खासी पैदावार होती है, लेकिन इस बार बाढ़ के कारण उसकी फसलों को बहुत नुकसान हुआ है, ऊपर से यूक्रेन का युद्ध कोढ़ में खाज बनकर आ गया। इसलिए चावल का स्टॉक बढ़ाने के लिए उसने यह कदम उठाया है। लेकिन हमारे घरेलू बाजार में चावल की आपूर्ति पर इसका असर दिखने लगा है।

चावल और गेहूं हमारे मुख्य खाद्यान्न हैं और इनकी कीमतों में कोई भी बढ़ोतरी हरेक घर की रसोई के बजट पर असर डालती है। खाने-पीने की चीजों की महंगाई लोगों को सबसे ज्यादा परेशान करती और सरकारों की लोकप्रियता-अलोकप्रियता के निर्धारण में भी इसकी बड़ी भूमिका है। प्याज को लेकर तो कहावत चल पड़ी है। यही कारण है कि इस साल अप्रैल के मध्य में आटे की कीमतों में जब अप्रत्याशित वृद्धि हुई, और एकाधिक जगहों पर यह ५५ रुपये प्रति किलो के ऊपर चली गई, तब सरकार को आनन-फानन में गेहूं के निर्यात पर रोक लगानी पड़ी। हालांकि, सरकार ने तब दावा किया था कि उसके पास पर्याप्त भंडार है, पर हकीकत यही है कि इस बार गेहूं की सरकारी खरीद काफी कम हुई है और सरकार भविष्य की चुनौतियों को लेकर आशंकित हो उठी थी। रूस और यूक्रेन, दोनों गेहूं के बड़े उत्पादक देश हैं और उनके युद्ध के कारण समूची आपूर्ति शृंखला बाधित हो चुकी है। ऐसे में, अमेरिका से लेकर दक्षिण एशिया तक महंगाई दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

भारत एक विशाल आबादी वाला देश है। यह सुखद है कि दशकों पहले हम खाद्यान्न उत्पादन के मामले में एक खुदमुख्तार देश बन चुके हैं। यह कामयाबी कितनी बड़ी राहत है, इसका एहसास हमें महामारी के चरम दिनों में हुआ। तब देश के लगभग ८० करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज योजना का लाभ मिला। यह अब भी जारी है, बल्कि केंद्र सरकार ने सितंबर तक इसे विस्तार दिया है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को अनवरत मुफ्त खाद्यान्न मुहैया नहीं कराया जा सकता। ऐसे में, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जब तीन महीने बाद यह योजना खत्म होगी, या इसमें किसी तरह की कटौती होगी, तब कितनी बड़ी आबादी को चावल-आटे की मौजूदा महंगाई से दो-चार होना पड़ेगा। अन्य वस्तुओं के बढ़ते दाम से भी लोग परेशान हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के सदस्य जयंत वर्मा का कहना है कि उच्च महंगाई पर फौरी नियंत्रण की कोशिश में देश की अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान नहीं पहुंचने देना चाहिए, क्योंकि यह बहुत मुश्किल से पटरी पर लौटी है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था के दीर्घकालिक हितों की रक्षा होनी चाहिए, पर महंगाई को लगाम लगाना इसलिए भी जरूरी है कि यह सामाजिक अराजकता को जन्म दे सकती है। दुनिया के कई देश महंगाई के कारण व्यापक जन-आंदोलनों का सामना कर रहे हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा का 'बड़ा' संदेश

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राष्ट्रपति चुनाव में झारखंड की पूर्व राज्यपाल और आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाकर सामाजिक समरसता और नारी सशक्तीकरण का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया है। इससे आदिवासी समाज और महिलाओं में नई आस जगी है। २१ जून को दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था 'संसदीय बोर्ड' की बैठक के बाद द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा कर दुनिया को 'बड़ा' संदेश दिया। द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें समृद्ध प्रशासनिक अनुभव है और राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल भी उत्कृष्ट रहा है। उम्मीद है वह देश की एक महान राष्ट्रपति साबित होंगी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया- 'लाखों लोग, जिन्होंने गरीबी का अनुभव किया है और जीवन में कठिनाइयों का सामना किया है, वे द्रौपदी मुर्मू के जीवन से शक्ति प्राप्त करते हैं। नीतिगत मुद्दों पर उनकी समझ और उनकी दयालु प्रवृत्ति से देश को बहुत फायदा होगा।'

मोदी ने कहा, ११द्रौपदी मुर्मू ने समाज की सेवा और गरीबों, वंचितों और शोषितों के सशक्तिकरण में अपना जीवन खपा दिया। उनके पास समृद्ध प्रशासनिक अनुभव है और राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल भी उत्कृष्ट रहा। मुझे विश्वास है कि वह हमारे देश की एक महान राष्ट्रपति साबित होंगी।''"

दशकों तक पर्याप्त भोजन और वस्त्रों से दूर रहे आदिवासी समुदाय को रायसीना की पहाड़ी के सर्वोच्च शिखर के करीब पहुंचाकर भारत ने विश्व को एकबार फिर दिखा दिया है कि यहां रंग, जाति, भाषा, धर्म, जाति, संप्रदाय का कोई भेद नहीं है। आजादी के अमृत महोत्सव काल में द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना निश्चित ही भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ होगा।

संसद और विधानसभाओं का अंकगणित यह कह रहा है कि द्रौपदी मुर्मू की जीत अब महज औपचारिकता है। राजग उम्मीदवार को ओडिशा के बीजू जनता दल, आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस और मायावती के बसपा का समर्थन का ऐलान भी सुखद है। झारखंड मुक्ति मोर्चा का साथ मिलना भी तय माना जा रहा है। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा ने दलित नेता रामनाथ कोविन्द को उम्मीदवार बनाकर दलित समुदाय को बड़ा सम्मान दिया था।

भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाकर एक तीर से कई निशाने भी साधे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ झारखंड, गुजरात और ओडिशा जैसे आदिवासी बहुल राज्यों के विधानसभा चुनाव में इसका फायदा जरूर मिलेगा। इस वजह यह है कि मणिपुर में ४१ प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में ३४ प्रतिशत, त्रिपुरा में ३२ प्रतिशत, झारखंड में २६.२ प्रतिशत और गुजरात में १५ प्रतिशत आदिवासी हैं। यही नहीं, इस निर्णय के साथ ही भाजपा अपनी शहरी पार्टी होने कि छवि से बहुत आगे निकल गई है।

द्रौपदी मुर्मू ने १९९७ में रायरंगपुर नगर पंचायत का चुनाव जीतकर राजनीति में पर्दापण किया था। वह रायरंगपुर से विधायक भी रही हैं। वर्ष २००७ के सर्वश्रेष्ठ विधायक के नीलकांत पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। वह ऐसी पहली महिला राष्ट्रपति उम्मीदवार हैं जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ है। द्रौपदी मुर्मू और उनका परिवार पूर्ण रूप से शाकाहारी है। इस चुनाव में यदि द्रौपदी मुर्मू की जीत होती है तो वह देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति होंगी। ६४ वर्षीय मुर्मू २०१५ से २०२१ तक झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। राष्ट्रपति चुनाव में संख्या बल के आधार पर भाजपा नीत राजग मजबूत स्थिति में है। वह झारखंड की पहली राज्यपाल थीं जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। विपक्षी दलों ने संयुक्त उम्मीदवार के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को मैदान में उतारा है। मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द का कार्यकाल २४ जुलाई को समाप्त हो रहा है।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

(राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस/०१ जुलाई पर विशेष)

चिकित्सक सम्मान के सबसे बड़े हकदार

योगेश कुमार गोयल

कोरोना महामारी के दौरान दुनियाभर में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करते नजर आए। ऐसे चिकित्सक वाकई सम्मान के सबसे बड़े हकदार हैं। आंकड़े देखें तो महामारी के दौर में देश में ड्यूटी के दौरान सैकड़ों चिकित्सकों की मौत हुई। फिर भी चिकित्सक जी-जान से लोगों की जान बचाने में जुटे रहे। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान तो बहुत से चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ को अपनी छुट्टियां रद्द कर प्रतिदिन लंबे-लंबे समय तक कार्य करना पड़ा है और ऐसे बहुत से चिकित्साकर्मी महीनों-महीनों तक अपने परिवार और छोटे बच्चों से भी दूर रहे। समाज के प्रति चिकित्सकों के समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष देश में एक जुलाई को ११राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस" मनाया जाता है। चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है।दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कोई कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

चिकित्सक दिवस की शुरुआत भारत में वर्ष १९९१ में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधानचंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष १९४८ से १९६२ में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष १९११ में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष १९११ में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा करियर की शुरुआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष १९२२ में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के संपादक और बोर्ड के सदस्य बने। १९२६ में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और १९२८ में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए।

डॉ. बिधानचंद्र रॉय ने १९२८ में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। ४ फरवरी, १९६१ को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ११भारत रत्न" से सम्मानित किया गया। १९६७ में दिल्ली में उनके सम्मान में डॉ. बीसी रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और १९७६ में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डॉ. बीसी रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और निधन एक जुलाई को हुआ था। उनका जन्म ०१ जुलाई, १८८२ को पटना में हुआ था और मृत्यु ०१ जुलाई १९६२ को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है। बावजूद इसके इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की तैयारी

जब २०१६ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना (पीएमयुवाई) की शुरुआत की गई थी, तब हमारी सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के सुदूर क्षेत्र में रहने वाली अंतिम महिला तक एलपीजी सिलेंडर के साथ पहुंचना। एक समर्पित कार्यबल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ पीएमयुवाई की सफलता और सबसे कमजोर लोगों के जीवन पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव से मुझे भरोसा हुआ है कि हम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० (एनईपी) को लागू करने के चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस नीति में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की परिकल्पना की गई है, ताकि हमारे देश के छात्र २१वीं सदी की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।

भारत सबसे युवा देशों में से एक है, जिसकी ५० प्रतिशत से अधिक आबादी ३० साल से कम उम्र की है। संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा स्पष्ट तौर पर दिखता है। मगर यह क्षमता हमारे पास हमेशा के लिए नहीं रहेगी। इसका लाभ भी हमें अपने आप नहीं मिलेगा। इसके लिए ठोस प्रयास और नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। एक साधारण गणना बताती है कि हमारे पास नौजवानों की क्षमता का पूरी तरह दोहन करने के लिए लगभग दो दशकों से थोड़ा अधिक समय है, या जिसका प्रधानमंत्री अमृत काल के रूप में जिक्र करते हैं-स्वतंत्रता के १०० वर्ष पूरे होने से पहले की २५ साल की अवधि। यही वजह है कि हमारे युवाओं की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रणाली में व्यापक बदलाव लाजिमी हैं।

एनईपी-२०२० हमारे देश की यात्रा में ऐसा ही एक परिवर्तन है। प्रधानमंत्री के शब्दों में, एनईपी-२०२० आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला के रूप में काम करेगी। एनईपी पूर्व-प्राथमिक से उच्च शिक्षा के सभी स्तरों पर हमारी शिक्षा व्यवस्था की पुनर्सरचना करती है और एक कौशल व अनुसंधान इकोसिस्टम के साथ इसका पुनर्गठन करती है। यह चार सिद्धांतों पर आधारित है- पहुंच, गुणवत्ता, समानता और किफायत। एनईपी का लक्ष्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के स्थान पर एकल नियामक निकाय के रूप में भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) को स्थापित करना और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को वर्तमान के २७.१ प्रतिशत से बढ़ाकर २०३५ तक ५० प्रतिशत करना है। नई शिक्षा नीति यह सुनिश्चित करेगी कि विनियमन, मान्यता देने, वित्त पोषण और शैक्षणिक मानक-निर्धारण का कार्य स्वतंत्र और अधिकार प्राप्त निकायों द्वारा किया जा रहा है। एनईपी की विभिन्न प्रगतिशील सिफारिशों में शामिल हैं- सभी चरणों में अनुभव से जुड़ी शिक्षा, नवीन और गतिविधि-आधारित शिक्षाशास्त्र, उच्च शिक्षा में प्रवेश/ निकास के बहु-विकल्प, विभिन्न संकायों से जुड़ी शिक्षा, एक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना आदि। इन परिवर्तनों को पूरा करने के लिए नीतिगत सुधारों के साथ भारत की शिक्षा और अध्ययन कार्यक्रमों के अंतरराष्ट्रीयकरण पर भी जोर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति २१वीं सदी की आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ तात्कालिक चुनौतियों की भी पहचान करती है। यह नीति आह्वान करती है कि प्रत्येक छात्र तीसरी कक्षा तक मूलभूत साक्षरता व संख्यात्मक योग्यता प्राप्त कर ले। इसके लिए ११निपुण भारत" नाम से राष्ट्रीय मिशन शुरू किया गया है, ताकि देश का तीसरी कक्षा का प्रत्येक बच्चा २०२६-२७ तक यह योग्यता प्राप्त कर सके। एनईपी-२०२० सभी स्तरों पर सरकारों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करती है कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए कम से कम पांचवीं कक्षा तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा/ स्थानीय भाषा में हो। हमारी सरकार उच्च शिक्षा में भी स्थानीय भाषाओं पर ध्यान दे रही है। स्नातक स्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए स्थानीय भाषाओं में २०० से अधिक तकनीकी पुस्तकें हाल ही में लॉन्च की गई हैं। सरकारआधिकारिक भाषाओं में इंजीनियरिंग, चिकित्सा और कानूनी विषयों की पाठ्य-पुस्तकों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। तमाम प्रवेश परीक्षाओं को भी सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में आयोजित कराने के प्रयास हो रहे हैं, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में अंग्रेजी बाधा न बने।

हमें अपने शिक्षकों को प्रेरित करने के लिए शिक्षण कार्य को फिर से उच्च सम्मान देने की भी आवश्यकता है। हमारी सरकार स्वयं से सुधार और व्यावसायिक विकास से जुड़े अवसर प्रदान करने पर ध्यान लगा रही है। न केवल स्कूल, बल्कि कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के संकाय भी नवीनतम तकनीक और नवाचारों व शिक्षाशास्त्र के विभिन्न रूपों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। हम देश भर में शिक्षक प्रशिक्षण के विश्वस्तरीय केंद्र बना रहे हैं। वर्तमान बजट में डिजिटल शिक्षक के लिए भी प्रावधान किया गया है, जिसके लिए छह करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

कोविड-१९ के दौरान हमारे शैक्षणिक संस्थानों में कई नए मॉडल सामने आए हैं। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी समानता और क्षमता प्रदान करने वाली होती है। केंद्रीय बजट में शिक्षा के प्रसार के लिए २०० नए टीवी चैनलों का प्रावधान किया गया है और पांच वर्षों की अवधि के लिए लगभग ९३० करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति की दहलीज पर है। एआई, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां पर्याप्त अवसरों के साथ-साथ चुनौतियां भी पेश करती हैं, क्योंकि इनसे कई पारंपरिक नौकरियां समाप्त हो जाती हैं। मगर यह मनुष्यों, मशीनों और एल्गोरिदम के बीच श्रम के नए विभाजन से जुड़ी विभिन्न भूमिकाओं को भी सामने लाएगी। लिहाजा श्रमिकों के लिए कौशल विकास करने या फिर से कौशल प्राप्त करने से जुड़ी अवधि छोटी हो गई है, और इस विषय पर तुरंत कार्य करने की आवश्यकता है।

हमारे युवा न केवल नौकरी चाहने वाले, बल्कि नौकरी देने वाले के रूप में भी काम करने की इच्छा रखते हैं। यदि हम उन्हें गुणवत्तापूर्ण ज्ञान व कौशल दे सके, तो भारत को विश्व गुरु बना सकते हैं। एनईपी-२०२० को बस यही करने के लिए तैयार किया गया है। हम अपनी स्वतंत्रता के ७५ वर्ष पूरे कर रहे हैं। ऐसे में, यह राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारा योगदान होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्रधानमंत्री मोदी की अरब यात्रा का संदेश

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कुछ दिन पहले एक विवादित बयान पर करीब एक दर्जन इस्लामी देशों ने आपत्ति दर्ज की थी। लेकिन भारत सरकार के जवाब पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया। इसके बाद उन देशों ने अपने यहां प्रदर्शन करने वालों पर कठोरता से नकेल कसी। कुवैत सहित कई मुल्कों ने उपद्रव करने वाले विदेशियों का तत्काल वीजा निरस्त कर दिया था। इस प्रकार उन्होंने चंद लम्हों में ही इस समस्या का समाधान कर लिया था। भारत में सेक्युलरिज्म की दुहाई देने वाली सरकारों के लिए यह एक सबक था। लेकिन इन्होंने अपनी वोटबैंक सियासत को छोड़ना मुनासिब नहीं समझा। इसलिए अभी तक इन राज्यों में तनाव बना हुआ है। वैसे इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा बहुत महत्वपूर्ण रही। इसका सकारात्मक संदेश सभी अरब देशों तक पहुंचा है। नरेन्द्र मोदी को अपने मुल्क का सर्वोच्च सम्मान देने वाले मुस्लिम देश संतुष्ट हैं। क्योंकि उन्होंने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास नीति पर अमल करने वाले दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता का सम्मान किया था।

भारत की कथित सेक्युलर पार्टियां इस तथ्य को समझ नहीं सकतीं। नरेंद्र मोदी की जर्मनी यात्रा का कार्यक्रम कई महीने पहले बना था। उनको वहां के चांसलर ने जी ७ शिखर सम्मेलन में सहभागी होने के लिए आमंत्रित किया था। उस समय जर्मनी से लौटते समय उनका संयुक्त अरब अमीरात में रुकने का कार्यक्रम नहीं था। पिछले महीने वहां के राष्ट्रपति का निधन हो गया। नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली और विदेश नीति का अपना अनोखा अंदाज है। उन्होंने जर्मनी से लौटते समय संयुक्त अरब अमीरात में रुकने का कार्यक्रम बनाया। इसी प्रकार पिछले कार्यकाल में विदेश यात्रा से लौटते समय वह तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। नवाज शरीफ ने उनको विशेष रूप से आमंत्रित किया था। इस प्रकार नरेन्द्र मोदी विदेश नीति में राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च मानते हुए कार्य करते हैं। पाकिस्तान में नवाज शरीफ की सरकार रहती तो दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य हो सकते थे। संयुक्त अरब अमीरात में मोदी का स्वागत बड़ी भावुकता के साथ किया गया। वहां नरेन्द्र मोदी की यात्रा को बहुत महत्व दिया गया। उनकी यात्रा का कोई राजनयिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दा नहीं था। वह पूर्व राष्ट्रपति के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करने गए थे। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व राष्ट्रपति और अबू धाबी शासक शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर शोक व्यक्त किया। हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत पूर्व राष्ट्रपति के भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने किया। इसे स्पेशल गेस्चर कहा गया। इतना ही नहीं शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ शाही परिवार के अन्य सदस्य भी मोदी से मिलने और बातचीत करने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे।

नरेन्द्र मोदी ने पिछले कार्यकाल में ही इजरायल और अरब देशों के साथ संबंध बेहतर बनाने पर ध्यान दिया था। यह नीति कारगर साबित हुई। मोदी के सौर ऊर्जा प्रस्ताव को भी अरब देशों का समर्थन मिला था। इसी प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ में मोदी के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अरब देशों ने भी स्वीकार किया था। इस दिन वहां भी बड़े पैमाने पर योग के कार्यक्रम होते हैं। इन्हीं मुस्लिम देशों ने इकहत्तर के युद्ध में पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया था। कुछ देशों ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत के खिलाफ एक हजार वर्ष तक लड़ेगा तब भी उसे समर्थन मिलता रहेगा।

मोदी की मध्यपूर्व नीति की बड़ी सफलता यह भी है कि उन्होंने अरब मुल्कों और इजरायल के साथ दोस्ती को मजबूत किया। इससे पहले कांग्रेस की सरकारों में इजरायल से दोस्ती को लेकर बड़ा संकोच था। उन्हें लगता था कि इजरायल के साथ दोस्ती मुस्लिम देशों को नाराज कर देगी। मोदी ने साहस दिखाया। अरब और इजरायल दोनों से संबन्ध बेहतर बनाकर दिखा दिया। इस नीति का परिणाम था कि करीब तीन वर्ष पूर्व भारत को इस्लामिक सहयोग संगठन के सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था। तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस्लामिक सहयोग संगठन अर्थात ओआईसी का गठन उन्नीस सौ उनहत्तर में किया गया था। सत्तावन मुल्क इसके सदस्य हैं। भारत ने सदैव विश्व शांति और मानवता की बात कही है। आतंकवाद ने इन दोनों के सामने चुनौती पेश की है। यदि दुनिया में शांति, सौहार्द कायम करना है, मानवता को सुरक्षित रखना है तो आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति बनानी होगी। इसमें सभी देशों का सहयोग अपरिहार्य है। क्योंकि आतंकवाद अब किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं है। आतंकवाद सारी दुनिया के लिए खतरा है। उसे पनाह देना और फंडिंग को बंद करना चाहिए। आतंकवाद और आतंकी तौर तरीकों का विस्तार हो रहा है। राजस्थान की घटना इसका प्रमाण है। आतंकवाद दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। उसे संरक्षण और वित्तीय सहायता देने वालों पर कड़ाई से रोक लगानी होगी। ओआईसी के सदस्य देश इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन देशों पर दबाव बनाया जाए जो इसका समर्थन करते हैं और इसे फंडिंग करते हैं। ऐसे देशों से कहना चाहिए कि वह आतंकवादी ढांचे को खत्म करे। भारत ज्ञान का भंडार, शांति का दूत और आस्था व परम्पराओं का स्रोत रहा है। बहुत-से धर्मों का घर रहा है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक है। ओआईसी की स्थापना के समय इसका उद्देश्य बताया गया था कि इसमें अंतरराष्ट्रीय शांति और सद्भावना को बढ़ावा देने की बात कही गई थी। आतंकवाद शांति और सद्भावना को कमजोर कर रहा है। ऐसे में ओआईसी को विचार करना होगा कि वह अपने इस उद्देश्य में कितना सफल हो रहा है। जबकि समस्या उसी का एक संस्थापक देश बढ़ा रहा है।

पचास वर्ष पहले इसके सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल फखरुद्दीन अली अहमद के नेतृत्व में गया था। लेकिन पाकिस्तान ने विरोध किया, इसके कारण भारतीय प्रतिनिधिमंडल को वहां प्रवेश तक नहीं मिला। उसे लौटना पड़ा था। नरेन्द्र मोदी की यूएई राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल से वार्ता भी हुई। भारत यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान,उप प्रधानमंत्री शेख मंसूर बिन जायद अल नाहयान,अबू धाबी निवेश प्राधिकरण के एमडी शेख हमीद बिन जायद अल नाहयान, विदेश मामलों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान सहित अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित थे। मोदी ने अल नाहयान को संयुक्त अरब अमीरात के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने और अबू धाबी के शासक बनने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को विशेष रूप से कोविड महामारी के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में पैंतीस लाख भारतीय समुदाय की देखभाल करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने शेख नाहयान को भारत आने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

२०१५ में प्रधानमंत्री की यूएई की पिछली यात्रा के दौरान एक व्यापक रणनीतिक भागीदारी के साथ और प्रगाढ़ हो गए। फरवरी २०१८ में प्रधानमंत्री ने विश्व सरकार शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस, महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान फरवरी २०१६ में भारत और फिर जनवरी, २०१७ के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत आए थे। २०१९ में अबू धाबी की यात्रा पर आए थे। तब दोनों देशों के बीच पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों विचार-विमर्श किया गया था। नरेन्द्र मोदी को संयुक्त अरब अमीरात का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया था। इससे पहले मोदी अगस्त २०१९ में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर गए थे। इस यात्रा में उन्हें यूएई के राष्ट्रपति की ओर से यूएई का सर्वोच्च पुरस्कार दिया गया था। यूएई के संस्थापक शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान के नाम पर यह पुरस्कार विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह शेख जायद की जन्म शताब्दी के वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी को प्रदान किया गया था। भारत और यूएई के बीच सांस्कृतिक,धार्मिक और आर्थिक क्षेत्र में बेहतर संबंध हैं। लगभग साठ बिलियन अमेरिकी डॉलर के वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार के साथ संयुक्त अरब अमीरात हमारा तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। यूएई भारत के लिए कच्चे तेल का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। नरेन्द्र मोदी की संक्षिप्त संयुक्त अरब अमीरात से मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं। भारत सरकार ने शेख खलीफा के निधन के बाद एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा भी की थी। शेख खलीफा संयुक्त अरब अमीरात के संस्थापक राष्ट्रपति शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान के सबसे बड़े बेटे थे। शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान ने ३ नवंबर, २००४ से अपनी मृत्यु तक संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक के रूप में काम किया।उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। नायडू ने भी शेख खलीफा के निधन पर संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व के प्रति संवेदना व्यक्त की थी।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रायपुर : हाट बाजार क्लिनिक के शिविरों की टाइमिंग का करें प्रचार-प्रसार : बघेल

रायपुर, ३० जून (हि.स.)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को मनेन्द्रगढ़ में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए हाट बाजार क्लिनिक योजना के तहत शिविरों की टाइमिंग का प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर होना चाहिए, इसके लिए अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग करने की आवश्यकता है। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के संबंध में अधिकारियों को नामांतरण और बंटवारे की पंजी बनाने और उसे अद्यतन करते रहने के निर्देश दिए। बंदोबस्त त्रुटि के प्रकरणों का भी निराकरण समय सीमा में करें। अधिकारियों से कहा कि देवगुड़ियों के उन्नयन के कार्यों में तेजी लाएं, देवगुड़ी के उन्नयन के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य को सम्पादित करें। अधिकारियों से कहा गया कि जमीन बंटवारे के संबंध में १७० ख के नियमों का पालन करें।

मुख्यमंत्री बघेल ने बैठक में कहा कोरिया जिले में जाति प्रमाण पत्र और वन अधिकार पत्र बड़ी संख्या में बने हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नए जिले की स्थापना के कार्यों में तेजी लाएं। जाति और आय प्रमाण पत्रों के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण के कार्य में ब्लॉक प्लांटेशन और नहरों के किनारे वृक्षारोपण में एक ही प्रजाति के फलों के पौधरोपण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, इससे उनके प्रसंस्करण और आमदनी वाला काम शुरू करने में मदद मिलेगी। कोयला खदान एरिया में पलायन रोकने के लिए भूमिहीन श्रमिक योजना के अंतर्गत पात्र लोगों को लाभान्वित करने की बात कही।

गौठान के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने गौठानों में वनोपजों के प्रसंस्करण इकाई की स्थापना करने कहा, जिससे गौठान में आय बढ़ाने का अवसर प्राप्त हो, साथ ही गौठानों में रेंटल बिजनेस को भी प्राथमिकता दे। गौठानों में उत्पादित की जाने वाली वर्मी कंपोस्ट की गुणवत्ता का ध्यान रखें। गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित करें।

मनरेगा के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिले के जिन क्षेत्रों में बारिश शुरू नहीं हुई है, वहां मनरेगा के काम जारी रखने और अधूरे तालाब के गहरीकरण किया जाए। उन्होंने जल की उपलब्धता पर जोर देते हुए कहा कि सतही जल का ज्यादा उपयोग करें। तालाबों को पेयजल के लिए वाटर रिचार्जिंग करें।

मुख्यमंत्री बघेल ने स्वामी विवेकानंद स्कूल के अलावा अन्य स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जोर दिया। स्कूलों में टीचर की उपस्थिति समय पर हो और कक्षाओं के कोर्स समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करें। आत्मानंद स्कूल के बच्चों को स्पोकन इंग्लिश की अच्छी प्रैक्टिस कराए। प्राचार्य और अन्य अध्यापक आपस में तथा बच्चों से स्कूल में अंग्रेजी में बात करेंगे तो इससे वहां का माहौल अच्छा रहेगा।

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि आंगनबाड़ियों में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए गर्म भोजन वितरण प्राथमिकता से हो। मुख्यमंत्री ने आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी को आश्रम छात्रावासों की खाली सीटों पर जरूरतमंद बच्चों को प्रवेश देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव-हाथी द्वंद्व को रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में तालाब बनवाए और वनों में फलदार वृक्षारोपण जैसे- बरगद, पीपल,कटहल,केला पेड़ लगाएं। समीक्षा बैठक में गृह मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव, विधायक डॉ. विनय जायसवाल और गुलाब कमरो, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, संभागीय कमिश्नर, आईजी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जगदलपुर:नेत्रोत्सव पूजा विधान व अन्नपूर्णा महालक्ष्मी की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न

जगदलपुरः बस्तर गोंचा महापर्व में अनसर काल समाप्त होने पर गुरूवार को नेत्रोत्सव पूजा, विधान रियासत कालीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए ३६० घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के द्वारा, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी को नए वस्त्र आभूषण से सुसज्जित कर संपन्न करवाया गया। इसके साथ ही विगत तीन दिनों से जारी अन्नपूर्णा महालक्ष्मी की प्राण-प्रतिष्ठा भी संपन्न किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। शुक्रवार को श्रीगोंचा रथयात्रा पूजा विधान के साथ भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी के विग्रहों को रथारूढ़ कर रथ परिक्रमा मार्ग से होते हुए गुडिचा मंदिर सिरहासार भवन में स्थापित किया जावेगा।

रियासत कालीन श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर में ०६ खंडों में भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के विग्रह सात जोड़े और केवल एक प्रतिमा जगन्नाथ भगवान के साथ कुल बाईस प्रतिमाओं का एक साथ पूजा अर्चना कर नेत्रोत्सव पूजा संपन्न किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन पश्चात सभी प्रतिमाओं को नए वस्त्र और रजत आभूषण से सुसज्जित किया गया। भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी के बाईस प्रतिमाओं की तीन रथों में निकाली जाने वाली रथयात्रा देश-विदेश के किसी भी श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर में नहीं होती है।

श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर में सात खंड हैं, जिसका रियासत कालीन नामकरण इस प्रकार है, जगन्नाथ जी की बड़े गुड़ी, मलकानाथ मंदिर, अमायत मंदिर, मरेठिया मंदिर, भरतदेव मंदिर तथा कालिकानाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है, श्रीराम मंदिर के साथ सात खंडों में स्थापित हैं। श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में आयोजित नेत्रोत्सव के शुभ अवसर पर ३६० घर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ईश्वर खंबारी और अध्यक्ष बस्तर गोंचा महापर्व दीनदयाल जोशी, आत्माराम जोशी, आशा आचार्य आदि पदाधिकारियों ने युवा समिति के नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। समिति के पदाधिकारियों ने समाज हित में काम करने का भरोसा दिलाया है।

मुख्य सचिव ने देवघर एयरपोर्ट की तैयारियों का लिया जायजा

देवघर:झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने अन्य अधिकारियों के साथ गुरुवार को देवघर एयरपोर्ट के उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लिया। उनके साथ डीजीपी नीरज सिन्हा, केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन संजीव कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी १२ जुलाई को देवघर के नवनिर्मित एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वे बाबा वैद्यनाथ की पूजा-अर्चना भी करेंगे।

कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में विहिप और बजरंग दल ने फूंका पुतला

दुमकाः राजस्थान के उदयपुर में नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने पर कन्हैयालाल के निर्मम हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को टीन बाजार चौक पर पुतला दहन किया गया। पुतला दहन इस्लामिक जेहादी कट्टरपंथी आतंकवादियों का किया गया। इससे पूर्व वीर कुंवर सिंह चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इस बर्बर हत्या से पूरे देश का हिंदू समाज आहत है। इस प्रकार वे आतंकवादी खुले तौर पर हत्या करते हैं। साथ में वीडियो बनाकर पीएम मोदी तक को मारने की धमकी दिया जाता है। विहिप ने कहा कि इस तरह की मानसिकता भारत में नहीं चलने दी जाएगी। विहिप उन आतंकवादियों द्वारा दी गई धमकी को चुनौती देते हुए इस तरह की मानसिकता बंद करने की चेतावनी दी। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और यहां पर किसी तरह का तालिबानी करण नहीं होने दिया जाएगा।

पशु तस्करी मामले में चार गिरफ्तार, गए जेल

दुमकाः शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के दुमका-रामपुरहाट मुख्य मार्ग में पताबाड़ी मोड़ के समीप गस्ती तीन पिकअप वैन पर लदे २३ गोवंश को जब्त करते हुए चार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गुरूवार को गस्ती दल ने तेज गति से दुमका की ओर से आ रहे तीन पिकअप वैन को रोक कर जांच किया। जांच के बाद देखा गया है कि उक्त तीनों वाहनों में कुल २३ मवेशियों को निर्दयतापूर्वक रखा गया था। पुलिस पशु तस्करी के आरोप में जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के वाहन चालक महावीर हरिजन, मनीष कुमार मंडल, राहुल कुमार राय एवं खलासी रज्जाक अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पूछताछ पर तस्करों ने सरैयाहाट थाना क्षेत्र के पशु व्यापारी अमन कुमार साह, मुर्शीद आलम, नईम खान, डब्लू खान एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंजनी यादव का गोवंश बताया। पुलिस मामले में पशु व्यापारी, चालक-खलासी समेत कुल ९ के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए चार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जहां होते हैं सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद, वहां प्रशासन करा रहा है भवन निर्माण

खूंटी:एक ओर केंद्र और राज्य सरकार खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए नये नये प्रयास कर रही है, वहीं प्रशासन द्वारा खेल मैदान को बर्बाद कर वहां बड़े-बड़े भवन बनाये जा रहे हैं। मामला तोरपा प्रखंड का है, जहां के बगीचे में सभी तरह के खेलकूद की गतिविधियां और सांस्कृति आयोजन होता है, प्रखंड प्रशासन द्वारा मैदान में क्वार्टर का निर्माण कराया जा रहा है। प्रखंड मुख्यालय का एकमात्र सार्वजनिक स्थल है, जहां २६ जनवरी और १५ अगस्त को स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। हर दिन बच्चे वहां क्रिकेट और फुटबॉल खेलते हैं, वैसे सार्वजनिक स्थल पर भवन निर्माण लोगों की समझ से परे है। इसको लेकर ग्रामीणों में रोष है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रखंड क्षेत्र में कई जगहों पर खाली जमीन है, वहां भवन निर्माण किया जा सकता था, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों का कहना है कि भवन निर्माण होने से २६ जनवरी और १५ अगस्त को हानेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगों को परेशानी होगी। इसके अलावा बच्चे वहां न तो फुटबॉल खेल पायेंगे और न क्रिकेट।

इस संबंध में पूछे जाने पर तोरपा के अंचलाधिकारी सच्चिदानंद वर्मा ने कहा कि ग्रामीणों की बातों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस जगह पर सरकारी आवास बनाया जा रहा है, उस जमीन का आवंटन पूर्व के सीओ और बीडीओ ने किया था। सीओ वर्मा ने कहा कि कही अन्य जगह पर जमीन खाली मिलती है, तो उस जगह पर आवास को स्थानांतरित कर दिया जायेगा।

पत्नी की हत्या मामले में पति को सश्रम आजीवन कारावास

दुमका:अवैध संबंध के संदेह में पत्नी की गला दबा हत्या करने के मामले में डीजे वन रमेश चंद्रा की कोर्ट ने गुरूवार को पति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनायी। न्यायालय ने रानेश्वर थाना क्षेत्र के कुकुरभाषा गांव निवासी अभियुक्त पति गोपाल राय को आजीवन कारावास एवं १० हजार जुर्माना मुकर्रर किया। जुर्माना की राशि अदा नहीं करने के पर अतिरिक्त तीन माह सजा भुगतनी होगी।

मामले में सूचक मसानजोर थाना क्षेत्र के मुड़ाजोड़ गांव निवासी हुलिया देवी ने रानेश्वर थाना में २४ सितंबर २०१७ को लिखित शिकायत कर बेटी सूती देवी की गला दबा हत्या करने का आशंका जताते हुए दामाद गोपाल राय को आरोपी बतायी थी। लिखित शिकायत में बताया था कि १० वर्ष पूर्व रानेश्वर थाना क्षेत्र के कुकरीबासा गांव निवासी गोपाल राय से हुई थी। अक्सर पति किसी अन्य पुरूष से अवैध संबंध के संदेह पर सूती देवी को गाली-गलौज और मारपीट करता था। घटना के दिन गंभीर अवस्था में पश्चिम बंगाल के सिउड़ी में बेटी की इलाज होने की सूचना मिली। जब रानेश्वर स्थित बेटी के ससुराल गया तो घर के बरामदा अचेता अवस्था में बेटी को पाया। बेटी के गला और हाथ में रस्सी का दाग पाया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

विहिप-बजरंगदल का प्रदर्शन

गिरिडीहः उदयपुर (राजस्थान) के टेलर कन्हैया साहु की निर्मम हत्या के खिलाफ विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ कई भाजपा नेता सड़कों पर उतरे। झंडा मैदान से दोनों संगठनों के कार्यकर्ताओं ने इस्लामिक जेहादी गौस मोहम्मद और रियाज का फोटो लगा बैनर लेकर विरोध-प्रदर्शन किया।

व्यापार

लाल निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली:कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच दिनभर के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद शेयर बाजार गुरुवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स ८.०३ अंक यानी ०.०१५ फीसदी लुढ़क कर ५३,०१८.९४ के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी १८.८५ अंक यानी ०.१२ फीसदी की गिरावट के साथ १५,७८०.२५ के स्तर पर बंद हुआ।

३० शेयरों पर आधारित सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और इंडसइंड बैंक के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे।

एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर फायदे में रहे।

इसके अलावा एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में शामिल जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग भी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में बढ़त रही।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ३० शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स १५०.४८ अंक यानी ०.२८ फीसदी की गिरावट के साथ ५३,०२६.९७ अंक पर बंद हुआ था। एनएसई का निफ्टी ५१.१० अंक यानी ०.३२ फीसदी की गिरावट के साथ १५,७९९.१० के स्तर पर बंद हुआ था।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल ११६ डॉलर प्रति बैरल पार

नई दिल्ली, ३० जून (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल कीमत ११६ डॉलर प्रति बैरल पार पर बनी हुई है। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने दोनों ईंधन की कीमत में ४०वें दिन भी कोई फेरबदल नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल ९६.७२ रुपये प्रति लीटर और डीजल ८९.६२ रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल का भाव १०९.२७ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९५.८४ रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत १०६.०३ रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल ९२.७६ रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह चेन्नई में पेट्रोल की कीमत १०२.६३ रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल ९४.२४ रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

इसके अलावा देश के अन्य प्रमुख शहरों नोएडा में पेट्रोल ९६.७९ रुपये प्रति लीटर और डीजल ८९.९६ रुपये प्रति लीटर है। वहीं, लखनऊ में पेट्रोल का दाम ९६.५७ रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल का भाव ८९.७६ रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह पटना में पेट्रोल १०७.२४ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९४.०४ रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। हालांकि, पोर्टब्लेयर में पेट्रोल ८४.१० रुपये और डीजल ७९.७४ रुपये प्रति लीटर है।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पिछले कई दिनों से उतार-चढ़ाव का सिलसिला लगातार जारी है। हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड ११६.६२ डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड ११०.२४ डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कारोबार की सुगमता रैंकिंग में आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना टॉप पर

नई दिल्ली:कारोबार की सुगमता (इज ऑफ डूइंग बिजनेस) के मामले में आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना बेहतर प्रदर्शन करने वाले सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में टॉप हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को इस बारे में रिपोर्ट जारी की। इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे।

व्यापार सुधार कार्य योजना २०२० को लागू करने के तहत जारी इस रिपोर्ट के मुताबिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की रैंकिंग में आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना सबसे सफल प्रदेशों की श्रेणी के तहत टॉप सात राज्यों में शामिल हैं। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और मध्य प्रदेश अन्य चार राज्य हैं, जिन्हें इस रैंकिंग में लक्ष्य हासिल करने को लेकर सफल राज्यों के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस रिपोर्ट के मुताबिक एसपायर कैटेगेरी में शामिल अन्य सात राज्यों में असम, केरल और गोवा को शामिल किया गया है। वहीं, इमर्जिंग बिजनेस इकोसिस्टम कैटेगरी में शामिल ११ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में दिल्ली, पुद्दुचेरी और त्रिपुरा को शामिल किया गया है।

जुलाई महीने में १४ दिन बंद रहेंगे बैंक, ये है छुट्टियों की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली, ३० जून (हि.स.)। डिजिटल बैंकिंग के दौर में बैंक से संबंधित किसी काम के लिए यदि आपको बैंक में जाना जरूरी है, तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, जुलाई महीने में छुट्टियों की भरमार है, जिसकी वजह से जुलाई में १४ दिन बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी। इन छुट्टियों में रविवार और महीने के दूसरे और चौथे शनिवार का अवकाश भी शामिल है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों की जुलाई महीने की छुट्टियों से संबंधित सूची जारी कर दी है। इसमें राष्ट्रीय और अलग-अलग राज्यों में स्थानीय तौर पर छुट्टियों की वजह से बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी। आरबीआई के मुताबिक जुलाई में कुल १४ दिन बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में बैंक से जुड़ा हुआ अगर कोई जरूरी काम है, तो इसकी योजना आप पहले से बना लें, ताकि आपको कोई असुविधा न हो।

जिंदल भक्तिवेदांत पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र का उद्घाटन

भुवनेश्वर,:ओडिशा के ग्रामीण और अर्ध-शहरी पृष्ठभूमि के छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा के लिए उनकी क्षमता निर्माण में सहायता के लिए, भुवनेश्वर में आज जिंदल भक्तिवेदांत पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

श्रीमती सुलोचना दास, महापौर, भुवनेश्वर नगर निगम ने परम पावन भक्ति गौरव नारायण स्वामी महाराज, क्षेत्रीय सचिव इस्कॉन भुवनेश्वर, श्री प्रशांत कुमार होता, अध्यक्ष और समूह प्रमुख (सीएसआर), जिंदल स्टील एंड पावर, श्री प्रेमानंद दास, मंदिर अध्यक्ष इस्कॉन भुवनेश्वर और श्रीमती। मानसी रानी सुंदरे, कॉर्पोरेट, भुवनेश्वर नगर निगमकी उपस्थिति में आईआरसी में केंद्र का उद्घाटन किया .

केंद्र में एक पुस्तकालय, एक वाचनालय और एक कैंटीन के साथ एक छात्रावास की सुविधा है और इस प्रकार अध्ययन के लिए एक अनुकूलित वातावरण प्रदान करता है। केंद्र का उद्देश्य विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, राज्य पीएससी, बैंकिंग और अन्य व्यावसायिक प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए जरूरतमंद छात्रों की मदद करना है। केंद्र पूरी तरह से वाई-फाई सुविधा, स्वयं सहायता पुस्तकों और आवश्यक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है।

जेएसपीएल फाउंडेशन और इस्कॉन यूथ फोरम की इस पहल की सराहना करते हुए मेयर श्रीमती दास ने कहा, ठजेएसपीएल फाउंडेशन और इस्कॉन द्वारा बनाई गई यह सुविधा कई जरूरतमंद लेकिन होनहार छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उनके अध्ययन में मदद करेगी।

जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल ने एक संदेश में कहा, “जिंदल भक्ति वेदांत पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र एक उत्पादक अध्ययन वातावरण बनाने की दिशा में एक कदम है ताकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के इच्छुक युवा अपने सपनों को साकार कर सकें। प्रत्येक छात्र को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए अपने करियर का चुनाव करना चाहिए और फोकस और दृढ़ संकल्प के साथ लक्ष्य का पीछा करना चाहिए।

श्रीमती जेएसपीएल फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिंदल ने अपने संदेश में कहा, “जिंदल भक्तिवेदांत लाइब्रेरी एंड स्टडी सेंटर युवा दिमाग को शिक्षित करने और शिक्षित करने के हमारे प्रयासों का एक हिस्सा है ताकि वे सामाजिक विकास में योगदान दें। छात्र इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं जो योग, ध्यान, करियर परामर्श और व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा के साथ जोड़ा गया है।

इस्कॉन यूथ फोरम, भुवनेश्वर के निदेशक श्री तुकाराम दास, जिन्होंने इस परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, ने इस नेक पहल के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की।

केंद्र की स्थापना इस्कॉन यूथ फोरम, भुवनेश्वर द्वारा व्इश्थ फाउंडेशन की वित्तीय सहायता से की गई है। पुस्तकालय सह वाचनालय दो पालियों में ३०० छात्रों को समायोजित कर सकता है। ५० छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा भी है। अध्ययन के लिए उपयुक्त वातावरण प्राप्त करने के अलावा, छात्र अपने समग्र विकास के लिए करियर परामर्श सेवाओं, साप्ताहिक व्यक्तित्व विकास और प्रेरणा सत्र और योग का लाभ उठा सकते हैं। केंद्र में काउंसलर, मेंटर्स की भी सुविधा होगी, जो इन छात्रों को परामर्श और मार्गदर्शन कर सकते हैं।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स २९९ अंक उछला

नई दिल्ली, ३० जून (हि.स.)। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को गिरावट के साथ खुलने के बाद घरेलू शेयर बाजार में मजबूती का रुख है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स २९९.४९ अंक यानी ०.५६ फीसदी उछलकर ५३,३२६.४६ के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी ५०.१५ अंक यानी ०.३२ फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है।बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रिलायंस, कोटक महिंद्रा, टाटा स्टील, सन फार्मा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सेंसेक्स के टॉप गेनर्स की सूची में हैं। वहीं, बैंक और फाइनेंशियल इंडेक्स निफ्टी में बढ़त दिख रहा है। मेटल इंडेक्स में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी है, जबकि आईटी इंडेक्स भी करीब ०.५० फीसदी मजबूत हुआ है। हालांकि, ऑटो और एफएमसीजी शेयरों पर दबाव है, जबकि फार्मा, रियल्टी सहित दूसरे इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ३० शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स १५०.४८ अंक यानी ०.२८ फीसदी की गिरावट के साथ ५३,०२६.९७ अंक पर बंद हुआ था। वहीं, एनएसई का निफ्टी ५१.१० अंक यानी ०.३२ फीसदी की गिरावट के साथ १५,७९९.१० के स्तर पर बंद हुआ था।

मणिपुर- भूस्खलन से सेना का टेरिटोरियल शिविर तबाह, 2 की मौत; बचाव कार्य जारी

इंफाल । पूर्वोत्तर में भारी बारिश के कारण मणिपुर के नोनी जिले में जिरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन के पास भारी भूस्खलन हुआ है। यहां पास में ही सेना का टेरिटोरियल कैंप है। भूस्खलन के चलते अब तक कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग लापता हो गए। बचाव अभियान जारी है। समाचार के मुताबिक अब तक 13 लोगों को बचा लिया गया है। घायलों का इलाज नोनी आर्मी मेडिकल यूनिट में किया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को निकालने का काम जारी है। इम्फाल फ्री प्रेस के मुताबिक मृतकों की पहचान भारतीय सेना की 107 प्रादेशिक सेना के कर्मियों के रूप में की गई। ये लोग मणिपुर के नोनी जिले में तुपुल रेलवे स्टेशन के पास जिरीबाम से इंफाल तक एक निर्माणाधीन रेलवे लाइन की सुरक्षा के लिए तैनात थे।

रिपोर्टों के अनुसार, बड़े पैमाने पर भूस्खलन ने इजेई नदी को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया है। इस बीच, पीआईबी रक्षा विंग ने एक बयान में कहा कि भारतीय सेना और असम राइफल्स के जवानों द्वारा बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी है। साइट पर मौजूद इंजीनियर संयंत्र उपकरणों को बचाव प्रयासों में लगाया गया है। सुबह साढ़े पांच बजे तक 13 लोगों को बचा लिया गया। घायलों का इलाज नोनी आर्मी मेडिकल यूनिट में किया जा रहा है। भूस्खलन के कारण एजाई नदी का बहाव प्रभावित हुआ है। ताजा भूस्खलन और खराब मौसम से बचाव कार्यों में बाधा आ रही है। हालांकि लापता लोगों को बचाने के लिए ठोस प्रयास किया जा रहा है। सेना के हेलीकॉप्टर बचाव के लिए तैयार हैं। ये सब मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में भयंकर बारिश हो रही है।

जलभराव को लेकर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा, ''कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में''

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुजरात पर्यटन के विज्ञापन में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की मशहूर पंक्ति ''कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में'' की तर्ज पर गोरखपुर में बारिश के कारण हुए जलभराव पर तंज कसते हुए कहा, ''कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में''। यादव ने सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर बृहस्पतिवार को जलभराव की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, '' यह है भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के राज में विकास की झीलों से सजाज भाजपाई भ्रष्टाचार का भाजपाताल- 'जल नगर' गोरखपुर।'' उन्होंने गुजरात पर्यटन की मशहूर पंक्ति ''कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में'' की तर्ज पर कहा, '' गोरखपुर पर्यटन आपको आमंत्रित करते हुए कह रहा है - कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में।'' गौरतलब है कि गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है।

सोशल मीडिया पर पीएम मोदी और अमित शाह को मिली धमकी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिर कलम करने की धमकी देते हुए सोशल मीडिया पर कथित तौर पर एक पोस्ट करने वाले व्यक्ति को यहां गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी ने अपने पोस्ट में कहा था कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को पार्टी की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गयी विवादित टिप्पणियों के लिए माफी मांगनी चाहिए, वरना उनका सिर कलम कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मुगलपुरा पुलिस ने उकसावे वाला पोस्ट करने के लिए व्यक्ति के खिलाफ खुद मामला दर्ज किया था और बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उसे यहां की एक अदालत में पेश किया गया और अदालत ने पुलिस को उसे दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए के तहत एक नोटिस देने का निर्देश दिया। सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत प्रावधान है कि ऐसे मामलों में जहां किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी की तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसमें पुलिस व्यक्ति को किसी पुलिस अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश देते हुए एक नोटिस जारी करेगी। अधिकारी ने बताया कि इसके अनुसार पुलिस ने व्यक्ति को नोटिस जारी किया। इस व्यक्ति को बाद में छोड़ दिया गया।

मूसेवाला के मैनेजर को हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत, लॉरेंस बिश्नोई से बताया था जान को खतरा

चंडीगढ़ । पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में उनके करीबी और मैनेजर शगन प्रीत सिंह को हाईकोर्ट से झटका लगा है कोर्ट ने विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल के मामले में अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल केस की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। जिसके बाद अब मामले की सुनवाई जुलाई को होगी। शगन प्रीत ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की थीं। जिनमें शगन प्रीत ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई से अपनी जान को खतरा बताया है और पर्याप्त सुरक्षा की मांग की है। इसके साथ ही विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल में नाम आने के बाद शगनप्रीत ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत की भी मांग की है।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने वकील को पूछा कि इस वक्त शगन प्रीत कहां हैं, जवाब में वकील ने बताया कि वह अभी ऑस्ट्रेलिया में हैं और भारत आना चाहते हैं। जिस पर हाईकोर्ट ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में हैं तो उनकी जान को खतरा कैसे हो सकता है। हाई कोर्ट की पीठ ने कहा कि विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल का मामला बहुत ही विवादास्पद है। हाईकोर्ट ने मामले में सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। मिड्डूखेड़ा हत्याकांड में शगनप्रीत का नाम आने के बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गये थे। मूसेवाला की हत्या करने वाले लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह का दावा है कि शगन प्रीत की मूसेवाला ने ही ऑस्ट्रेलिया भागने में मदद की थी। शगनप्रीत मूसेवाला के करीबी थे और मूसेवाला के सारे शो वही मैनेज करते थे। आरोप है कि शगनप्रीत ने ही मिड?डूखेड़ा के कातिलों की मदद की थी। उसने शार्प शूटर्स के रहने और भोजन की व्यवस्था भी की थी।

बिहार: 40 लाख लोगों ने शौचालय निर्माण के लिए फर्जी तरीके से धन का दावा किया

पटना। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (एलएसबीए) योजना के तहत राज्य के ग्रामीण इलाकों के करीब 40 लाख लोग शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये दोबारा पाने के लिए फर्जी दावे कर रहे थे। प्रश्नकाल के दौरान पूरक के जवाब में मंत्री ने कहा, ''विभाग के अधिकारी एलएसबीए योजना के तहत राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण के लिए 12000 रुपये देने के लिए दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तब यह पाया गया कि लगभग 40 लाख लोगों ने दोबारा राशि पाने के लिए धोखाधड़ी करके आवेदन किया था। उनके आवेदन खारिज कर दिए गए और सरकार अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग ने अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसबीए के तहत शौचालय निर्माण के लिए लगभग 85 लाख लोगों को राशि जारी की है। लगभग 37 लाख लोगों को शौचालय निर्माण के लिए कुछ अन्य विभागों द्वारा भी धन जारी किया गया था। श्रवण ने कहा कि राज्य सरकार के ''शौचालय निर्माण, घर का सम्मान'' संकल्प को पूरा करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसबीए के तहत योजनाओं को लागू किया जा रहा है।

मुजफ्फरपुर की लीची के अब शुगर फ्री आम की चर्चा जोरों पर, पकते तक 16 बार बदलता हैं रंग

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर अपनी लीची के लिए देश-दुनिया में मशहूर है। लेकिन, इन दिनों मुजफ्फरपुर की चर्चा लीची के साथ यहां उगने वाले शुगर फ्री आम की वजह से भी खूब हो रही है। दरअसल गर्मी के मौसम में आम खाना हर किसी को पसंद है। फलों का राजा आम की एक से बढ़कर एक किस्में बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन, आम की मिठास की वजह से शुगर के मरीजों के लिए इस फल को खाना मुश्किल होता है, लेकिन, अब बिहार के किसान की बदौलत शुगर के मरीज भी आम का लुत्फ उठा पाएंगे। वैसे आम का मौसम करीब-करीब चला गया है। लेकिन, बिहार में उगने वाले इस रंग बदलू शुगर फ्री आम की चर्चा हर जगह हो रही है। मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी प्रखंड में किसान राम किशोर सिंह के बगीचे में शुगर फ्री आम उगता है। दिखने में ये कहीं से आम नहीं लगता, लेकिन यह फलों के राजा आम की ही एक प्रजाति है, जिस अमेरिकन ब्यूटी कहा जाता है।

एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में देर नहीं हो : गृह मंत्रालय

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से कहा है, कि अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के खिलाफ अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी नहीं होनी चाहिए और जिन मामलों की जांच दो माह से अधिक वक्त तक चले, उनकी करीब से निगरानी की जानी चाहिए। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में गृह मंत्रालय ने कहा है, कि जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) एससी-एसटी के खिलाफ मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए पुलिस अधिकारी एवं आधिकारिक गवाहों सहित अभियोजन के सभी गवाहों की वक्त पर पेशी और सुरक्षा को सुनिश्चित करें।

पत्र में कहा गया है, एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने में देरी नहीं होनी चाहिए। एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों की उचित स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिये, जो प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर सक्षम अदालत द्वारा मामले के निपटारे तक होना चाहिये।' मंत्रालय ने कहा कि जांच में देरी होने (प्राथमिकी दर्ज होने की तारीख से 60 दिन से अधिक समय होने) पर हर तीन महीने में जिला एवं राज्य स्तर पर इसकी निगरानी की जाए और जहां भी जरूरत हो विशेष पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को छानबीन तेज करने के लिए नियुक्त किया जाए।

गृहमंत्रालय पत्र के मुताबिक, राज्य सरकारों में संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रीय एससी-एसटी आयोग सहित विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त एससी-एसटी के खिलाफ अत्याचार के मामलों की रिपोर्ट की उचित अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि उन इलाकों की पहचान की जाए जहां समुदाय पर अत्याचार होने का खतरा होता है, ताकि एससी-एसटी समुदाय के सदस्यों के जान और माल की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय किए जा सकें। उसमें कहा गया है कि इसतरह के संवेदनशील इलाकों के थानों में पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए।

पत्र में कहा गया है, एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों की सुनवाई में होने वाली देरी की समीक्षा निगरानी समिति में या जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में होने वाली मासिक बैठक में नियमित रूप से की जानी चाहिए जिसमें जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और जिले के लोक अभियोजक शामिल होते हैं। पत्र में कहा गया है कि केंद्र सरकार अपराध रोकथाम से संबंधित मामलों को काफी अहमियत देती है और वह समय-समय पर राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को रोकथाम पर जोर देने के साथ-साथ आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रबंधन पर अधिक ध्यान देने की सलाह देती रही है और उसका अधिक जोर एससी-एसटी के खिलाफ जुर्म समेत अपराध की रोकथाम और नियंत्रण पर रहा है।

दबे पांव आ रही कोरोना की चौथी लहर ऐक्टिव मामले एक लाख पार

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस की चौथी लहर क्या दबे पांव दस्तक दे रही है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि बीते काफी दिनों से कोरोना के नए केसों में लगातार इजाफा हो रहा है। यही नहीं इसके चलते ऐक्टिव केसों की संख्या 1 लाख के पार पहुंच गई है। गुरुवार को बीते एक दिन में नए केसों का आंकड़ा 18,819 दर्ज किया गया है। इसके साथ ही ऐक्टिव केसों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 1,04,555 हो गई है। ऐसा करीब 4 महीने के बाद हुआ है, जब कोरोना के ऐक्टिव केसों की संख्या 1 लाख से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा 130 दिनों के बाद पहली बार नए केसों का आंकड़ा भी 18,000 से ज्यादा आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक अब तक देश में कोरोना संक्रमण के चलते 5,25,116 मौतें हो चुकी हैं। बीते एक दिन में ही इस वायरस से संक्रमित 39 लोगों की मौत हो गई है। दरअसल संकट इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि रिकवर होने वाले लोगों की संख्या लगातार नए केसों के मुकाबले कम बनी हुई है। इसी के चलते ऐक्टिव मामले बढ़ते जा रहे हैं। फिलहाल कोरोना का रिकवरी रेट 98.55 फीसदी पर बना हुआ है। वहीं डेली पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो यह 4.16 पर्सेंट है और वीकली पॉजिटिविटी रेट 3.72 फीसदी है। इसके अलावा कोरोना संक्रमण से मरने वालों की दर 1.21 फीसदी बनी हुई है। इस बीच देश में कोरोना वैक्सीन लगाने का अभियान भी तेजी से बढ़ रहा है।

मानसून ने देश के कई राज्यों में दी दस्तक,

दिल्ली में झमाझम बारिश से लोगों को उमस से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मानसून ने देश के लगभग सभी राज्यों में दस्तक दे दी है। इसी कड़ी में दिल्ली के कुछ हिस्सों में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। इसकारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है। वहीं दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में भी जमकर बारिश हुई। बता दें कि गुरुवार को देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हुई है, जिससे मौसम काफी सुहावना हो गया है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं राजस्थान में भी मानसून ने प्रवेश कर लिया है। भारतीय मौसम विभाग ने इसकी घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मानसून राजस्थान के टोंक और सीकर तक पहुंच गया है. राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में बारिश जारी है।

वहीं यूपी के कई जिलों में बुधवार से ही बारिश का सिलसिला जारी है। यूपी के पूर्वांचल के कई जिलों में बारिश हो रही है। बारिश के कारण लोगों को तपती गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है। कई जगहों पर रुक-रुक कर लगातार बारिश हो रही है। आईएमडी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को पूरे उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान के कुछ हिस्सों, पूरी दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इसके अलावा ट्वीट कर लिखा कि अरब सागर और गुजरात के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ हिस्सों, मध्य प्रदेश के शेष हिस्सों, पूरे उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून लगातार मजबूत हो रहा है। मानसून के मजबूत होने की वजह से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में बिहार के बाकी हिस्सों में भी मानसून के मजबूत होने की संभावना जाहिर की है। वहीं असम की बात करें तब वहां बाढ़ के चलते स्थिति और गंभीर होती जा रही है। वहीं मुंबई में बारिश की बात करें तो बीते बुधवार को भी बारिश हुई, जिसके चलते मौसम सुहावना हो गया। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को भी मुंबई में बारिश की संभावना जाहिर की है।

तेलंगाना में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेंगे पीएम मोदी

-राज्य के पारंपरिक व्यंजन परोसे जाने की उम्मीद

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेंलगाना की राजधानी हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की होने वाली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिस्सा लेंगे। हैदराबाद में दो और तीन जुलाई को आयोजित कार्यक्रम दौरान उन्हें तेलंगाना के विभिन्न तरह के पारंपरिक व्यंजन परोसे जाने की उम्मीद है। राज्य के भाजपा नेताओं ने बैठक में हिस्सा लेने वाले अति-विशिष्ट लोगों के भोजन की व्यवस्था करने के लिए करीमनगर की जी। यदम्मा को चुना है और उन्हें यहां हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) में आयोजित होने वाली बैठक में नेताओं के लिए भोजन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक खबर के मुताबिक यदम्मा ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि वह देश के प्रधानमंत्री के लिए भोजन बनाएंगी। यदम्मा ने कहा, 'मैं इस पर विश्वास नहीं कर पा रही हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मोदी सर मेरे द्वारा तैयार किए गए भोजन का स्वाद लेने जा रहे हैं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मोदी सर हमारे तेलंगाना के व्यंजनों को पसंद करें।' यदम्मा ने कहा कि उन्हें तीन जुलाई को भोजन बनाने के लिए कहा गया है, जिसके लिए उन्हें एक जुलाई को होटल में आना होगा।

आदिवासी महिला होने के कारण ही दिया द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन : मायावती

लखनऊ। बहुजन (एजेंसी)।

समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि सिर्फ अनुसूचित जनजाति की महिला होने के कारण ही उनकी पार्टी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन देने का ऐलान किया है और इसे सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की हिमायत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

मायावती ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा अन्य प्रमुख जिम्मेदार पदाधिकारियों की बैठक में देश में अगले राष्ट्रपति के लिए हो रहे चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि बसपा ने अनुसूचित जनजाति समाज की महिला द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किसी व्यक्ति अथवा पार्टी विशेष की बजाय अनुसूचित जनजाति समुदाय के बहुजन समाज के अभिन्न अंग होने के नाते किया है। उन्होंने स्पष्ट किया, '' बसपा ने यह फैसला स्वतंत्र होकर किया है तथा यह न तो सत्ताधारी राजग के पक्ष में है और ना ही विपक्षी संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के खिलाफ। इतना जरूर है कि संप्रग ने अपना संयुक्त उम्मीदवार तय करते समय बसपा को कभी भी विश्वास में नहीं लिया और ना ही सलाह-मशविरा किया।'' बसपा अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश में हाल ही में आज़मगढ़ तथा रामपुर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के परिणाम आने के तीन दिन बाद एक बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को संगठन को ज़मीनी स्तर पर मजबूत बनाने व जनाधार के विस्तार के लिए काम करने को कहा। उन्होंने कहा, ''वैसे तो बसपा का यह प्रयास मजबूत सैद्धान्तिक व राजनीतिक आधारों पर टिका हुआ है, मगर विरोधी ताकतों के साम, दाम, दण्ड, भेद के अलावा जातिवादी संकीर्ण हथकण्डे अपनाने से पार्टी का अपार जनसमर्थन सही समय पर मतों में नहीं बदल पाता, जिसको ध्यान में रखकर पार्टी को काफी काम करना होगा।''

'गुजरात भाजपा का प्रतिनिधिमंडल गलत मंशा से आया था दिल्ली'

सिसोदिया बोले- केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस में कमियां ढूंढना मुश्किल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गुजरात भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात भाजपा का प्रतिनिधिमंडल अलग मंशा के साथ यहां पर आया था और उनकी नीयत खराब थी। हालांकि उन लोगों ने जिन-जिन मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल का दौरा किया है, उन्हें कुछ तो अच्छा दिखा होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के कुछ भाजपा के नेता दिल्ली के स्कूल और अस्पतालों में कमियां निकालने के लिए बुलाए गए थे। केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस से आज वो लोग घबराए हुए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि गुजरात का प्रतिनिधिमंडल राज्य में आया। इसी तरह सभी राज्यों के प्रतिनिधियों को एक दूसरे के राज्यों में जाना चाहिए। एक दूसरे से सीखना चाहिए, समझना चाहिए। कहीं कमी हो तो वो भी बताना चाहिए। मैं इसे एक अच्छी शुरुआत मानता हूं। इसी बीच उन्होंने कहा कि गुजरात भाजपा के प्रतिनिधिमंडल का हम फिर से स्वागत करेंगे अगर वो फिर से आना चाहते हैं। इसके साथ ही हम चाहेंगे कि हमारा प्रतिनिधिमंडल भी वहां जाए और जैसे कि हमने उनसे कहा था कि आप दिल्ली के जिस कोने में चाहो, जिस स्कूल में चाहो हम वहां पर आपका स्वागत करेंगे लेकिन उन्हें कुछ नुक्श निकालने थे तो वो निकले। उन्होंने कहा कि हमारा प्रतिनिधिमंडल भी वहां (गुजरात) जाएगा।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैं इसे एक अच्छी शुरुआत के तौर पर देखता हूं। मैं देखता हूं कि राजनीतिक पार्टियों और सरकारों में मुकाबला भी होना चाहिए और आपस में सीखने की परंपरा भी होनी चाहिए। यहां पर गुजरात के साथ-साथ दूसरे राज्यों के प्रतिनिधिमंडल आते हैं, हम उन्हें सबकुछ दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि वो अलग मंशा से यहां पर आए थे और उनकी नियत खराब थी। इसके बाद भी वो लोग जिन-जिन मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल में गए हैं, वहां पर उन्हें कुछ तो अच्छा दिखा होगा तो कुछ तो नया सीखा होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिनिधिमंडल को समझ में आया होगा कि केजरीवाल मॉडस ऑफ गवर्नेंस में कमिया ढूढना मुश्किल है।

अग्निपथ को लेकर हंगामा, मानसून सत्र के अंतिम दिन बिहार विधानसभा स्थगित

पटना। (एजेंसी)।

बिहार विधानसभा में केंद्र की सेना में भर्ती संबंधी नई योजना 'अग्निपथ' को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट के भीतर स्थगित कर दी गई। बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी के बार-बार सहयोग का आग्रह करने के बावजूद विपक्षी विधायक शांत नहीं हुए और सशस्त्र बलों में भर्ती की नई योजना को वापस लेने तथा प्रदेश में हाल में किए गए विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों को रद्द करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। 'अग्निपथ' योजना को वापस लेने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के खिलाफ आपत्ति व्यक्त करने के लिए उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद भी अपनी कुर्सी से उठ खड़े हुए।

हंगामा जारी रहने पर हजारी ने सदन की कार्यवाही दोपहर के भोजन तक के लिए स्थगित कर दी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसके वामपंथी सहयोगियों ने घोषणा की है कि इस योजना पर उनकी चर्चा की मांग के पूरी होने तक वे सदन को चलने नहीं देंगे। सदन के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने उनकी मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह मामला राज्य विधानसभा के दायरे से बाहर है। कांग्रेस जो अब खुद को विपक्षी महागठबंधन का हिस्सा नहीं मानती है, उसके नेता अलग से विरोध-प्रदर्शन करते दिखे। कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव शकील अहमद खान सहित उसके कई विधायकों ने कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शन किया।

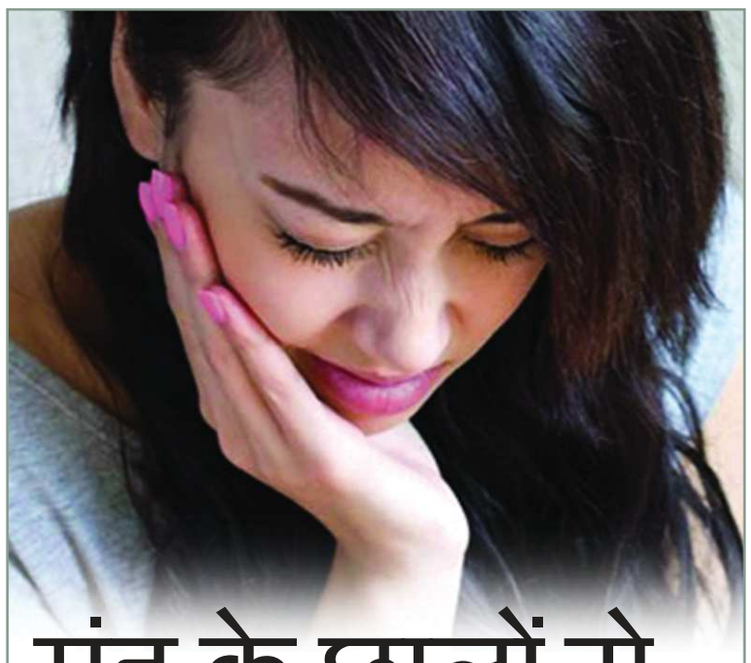

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 4 नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं।

पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं।

बचाव के उपाय

- खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।
- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

कई गुणों से भरपूर है नारियल तेल

नारियल तेल के इस्तेमाल के कई फायदे हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

- नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच माक्र्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।
- नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर का मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होता है।
- नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है। स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।
- आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।
- नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।
- नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।
- खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है।

बारिश के मौसम में न करें इन फूड्स का सेवन

बारिश के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इसीलिए इस दौरान हमें खाने-पीने से जुड़ी हुई चीजों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यहां पर आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका बारिश के दौरान सेवन करने से बचना चाहिए।

बारिश के मौसम में न करें इन 5 फूड्स का सेवन होगा, नहीं तो पड़ जाएंगे बीमारबारिश के मौसम में हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें जरा-सी की गई लापरवाही हमारी सेहत के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर देती है। बारिश के मौसम में ज्यादातर लोगों को बीमार पड़ते हुए देखा जाता है क्योंकि गर्मी का मौसम खत्म होने के बाद से तापमान नीचे जाता है और तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नुकसान खाद्य पदार्थों से पहुंचता है और कई प्रकार के फूड्स का सेवन करना बीमारी की प्रमुख वजह भी बन जाता है। इसीलिए यहां पर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका सेवन बारिश के दौरान या फिर सावन के मौसम में आप नहीं करेंगे तो यह आपको बीमारियों से बचाए रखेगा। आपको इसका कारण भी बताया जाएगा कि क्यों इन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

पालक

पालक आपको बारिश के मौसम में भी बड़ी आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसका सेवन ना करने की सलाह दी जाती है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बेहद आसान है। दरअसल बारिश के मौसम में छोटे-छोटे कीटाणु वायरस और बैक्टीरिया जो आंखों से दिखाई भी नहीं देते हैं वह पालक के पत्तों में चिपके रहते हैं। इन कीटाणुओं को भगाने के लिए हानिकारक कीटनाशक का भी प्रयोग किया जाता है, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बैंगन

बारिश के मौसम में कई लोगों के द्वारा बैंगन का चोखा बनाकर भी खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इसका सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, बारिश के मौसम में बैंगन के अंदर छोटे-छोटे कीड़े पड़ना शुरू हो जाते हैं। यह कीड़े पेट दर्द और पेट से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं का प्रमुख कारण भी बन सकते हैं। यही वजह है कि सावन के मौसम में खासकर बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए।

दूध

दूध सेहत के लिए बेहतरीन फायदे पहुंचाता है और हम कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। बारिश के दिनों में दूध का सेवन न करने की सलाह देने के अलग-अलग कारण

बताए जाते हैं। मुख्य रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि बारिश के मौसम में जानवरों को खिलाया जाने वाला हरा चारा बैक्टीरिया और कीटाणुओं का घर बन जाता है। यह दूध की अच्छी क्वालिटी को भी प्रभावित करता है। इस कारण बारिश के दिनों में दूध का सेवन करने से पहले इसे खूब अच्छी तरह उबालना चाहिए। जितना कोशिश हो सके इस दौरान दूध का सेवन करने से बचे रहें और दूध से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के लिए किसी अन्य फूड का सहारा लें।

तले-भुने और स्ट्रीट फूड से करें परहेज

तली भुनी हुई चीजों और खासकर स्ट्रीट फूड का सेवन बारिश के दिनों में नहीं करना चाहिए। इनसे भी संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। स्ट्रीट फूड का सेवन करने के कारण आप विभिन्न प्रकार की परेशानी से जूझ सकते हैं। खासकर यदि आप पानीपुरी का सेवन करते हैं तो पानीपुरी का दूषित पानी डायरिया या फिर लूज मोशन की समस्या खड़ी सकता है। इसलिए बारिश के दिनों में खाने पीने की चीजों में विशेष सावधानी जरूर बरतें।

मांस और मछली

मांस और मछली मुख्य रूप से बारिश के दिनों में नहीं खाना चाहिए। सावन के महीने में खासकर इसका सेवन न करने की सलाह दी जाती है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। इस दौरान हवा में भी कई ऐसे हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं जो मांस और मछलियों को दूषित कर देते हैं। इसके अलावा बारिश के दिनों में मछलियों के अंडे देने का वक्त होता है। अंडा एक विशेष प्रकार की फूड एलर्जी का भी गुण रखता है जो गले में इंफेक्शन हो सूजन का मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए बारिश का सीजन खत्म होने तक नॉनवेज फूड का सेवन करने से बचें।

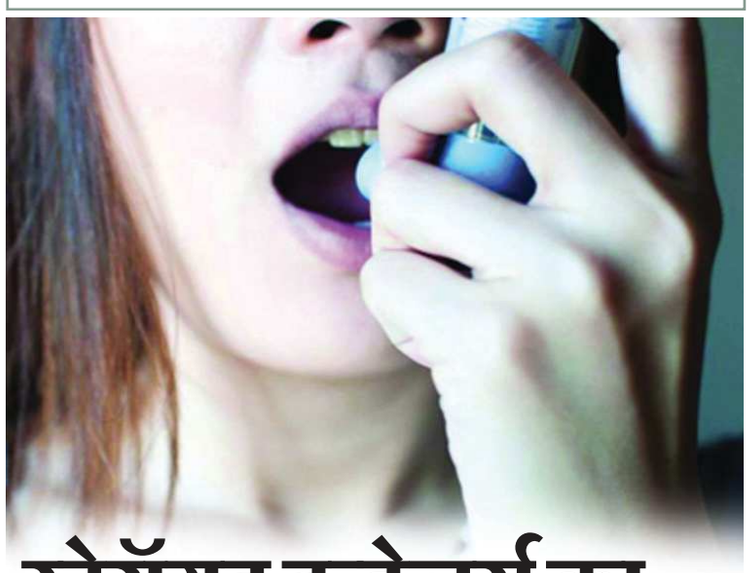

स्टेरॉयड इन्हेलर्स का उपयोग रोकने से अस्थमा के बिगड़ने का खतरा

मौजूदा महामारी में सेहत व स्वास्थ्य को महत्व देना होगा। यह खासकर तब बहुत जरूरी है, जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या फिर आपको किसी बीमारी का इतिहास है। अस्थमा इन्हीं में से एक है। अस्थमा बिगड़ने का मुख्य कारण श्वास की नली में वायरल संक्रमण होना है। अस्थमा के जोखिम वाले लोगों या फिर मौजूदा अस्थमा पीड़ितों के लिए सांस की नली में वायरल संक्रमण बहुत घातक हो सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार सामान्य या फिर गंभीर अस्थमा के मरीजों को बीमारी के और ज्यादा गंभीर होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में लगभग 93 करोड़ लोग सांस की क्रोनिक समस्या से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 37 करोड़ एस्थमेटिक हैं। अस्थमा के वैश्विक भार में भारत का हिस्सा केवल 11.1 प्रतिशत है, जबकि विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत है, जिस वजह से भारत दुनिया की अस्थमा कैपिटल बन गया है। अस्थमा पर सांस के वायरस के प्रभाव के चलते यह बहुत आवश्यक हो गया है कि मौजूदा समय में अस्थमा पीड़ित बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। वायरस निर्मित समस्याओं की रोकथाम के लिए अस्थमा को अच्छी तरह से नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है।'' मौजूदा समय में किसी बीमारी के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग या अत्यावश्यक इलाज के लिए जाना पड़ता है ,जहां पर मरीज को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अस्थमा पीड़ितों को कभी भी अपने कॉर्टिकोस्टेरॉयड इन्हेलर तब तक लेना बंद नहीं करना चाहिए, जब तक कोई मेडिकल प्रोफेशनल उनसे ऐसा करने को न कहे। स्टेरॉयड इन्हेलर का प्रयोग बंद करने से मरीज को संक्रमण का ज्यादा खतरा हो जाएगा क्योंकि इससे अस्थमा का नियंत्रण खराब हो जाता है।'' यदि अस्थमा नियंत्रण में है, तो हॉस्पिटल के क्लिनिक जाने से बचें। आप टेलीफोन पर अपने डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें अपनी प्रगति के बारे में बता सकते हैं। एस्थमेटिक मरीजों को बिना योजना के क्लिनिक नहीं जाना चाहिए। सामान्य से गंभीर अस्थमा से पीड़ित लोगों को वायरल संक्रमण से बहुत ज्यादा बीमारी पड़ने का खतरा रहता है। ये संक्रमण आपकी सांस की नली (नाक, गला, फेफड़ों) को प्रभावित करते हैं, अस्थमा का अटैक लाते हैं और इनकी वजह से निमोनिया या एक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज हो सकती है। एक्यूट लक्षणों से आराम के लिए स्पेसर के साथ एमडीआई का उपयोग किया जा सकता है। नेबुलाईजर्स का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें वायरल संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। नेबुलाईजर्स एयरोसोल्स बनाते हैं, जो संक्रमित ड्रॉपलेट्स को कई मीटर तक फैला सकते हैं। आपका डॉक्टर आपको इन विधियों के बारे में परामर्श देगा। सुनिश्चित करें कि आपके पास नॉन-प्रेस्क्रिप्शन दवाईयों एवं सप्लाई का 30 दिनों का स्टॉक हो, ताकि यदि लंबे समय तक आपको घर में रहने की जरूरत पड़े, तो आपको कोई परेशानी न हो।

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और वैसे भी भारतीय रसोईघर में लहसुन से मिल जायेगा । इसमें विटामिन, प्रोटीन, खनिज, लवण और फॉस्फोरस, आयरन व विटामिन ए, बी व सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारें में जानते हैं. लहसुन बैक्टिरीअल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगार साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीडा से इन्फेक्शन को रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहुसन के तेल को गर्म करके दो बूंदें रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। छालनकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एन्टीबैक्टिरीअल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। अगर आप अपने बढते मोटापे से परेशान है तो अपनाएं ये लहसुन की दो कलियां को अच्छे से भून लें और फिर उसमें जीरा सैंधा नमक मिलाकर चूर्ण बना लें। इसको आप रोजाना खाली पेट गर्म पानी से लें। कुछ ही दिनों में मोटापा कम हो जाएगा।

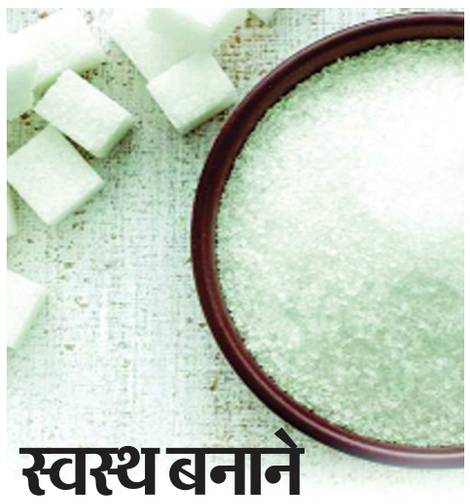

स्वस्थ बनाने के साथ सुंदरता भी बढ़ाती है चीनी

इस भाग-दौड भरी जिन्दगी में हर किसी के कंधों पर काम की जिम्मेदारी इतनी अधिक हो जाती है। कि यह टेंशन कभी-कभी डिप्रेशन का विक्राल रूप धारण कर लेती है जिससे व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है और ना ही डिप्रेशन से बचने के लिए ढेर सारी दवाइयाँ खाने की जरूरत है। आपको जानकर ताज्जुब हो कि सिर्फ चीनी खाने से ही आपको डिप्रेशन से राहत मिल सकती है।

चीनी का प्रयोग फिकेपन को दूर करने को किया जाता है। जब भी आपको शरीर में थकावट या लो महसूस हो तो शुगर से बने पदार्थो का सेवन करें। यह शरीर में शुगर के लेवल को ठीक कर नई ऊर्जा देता है। जैसे फूरड कस्टर्ड, जूस का एक ग्लास, केक का एक टुकडा वगैहर खा कर आप पहले से ज्यादा तरोताजा फील कर सकते हैं।

ब्यूटी बेनेफिट्स

चीनी और नींबू : अगर आप फेस पर कील-मुहांसों से परेशान है तो चीनी में नींबू की कुछ बूंदे मिला ले और इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। अगर आपकी त्वचा धूप की कारण त्वचा काली पड गई है तो 2 चम्मच कॉफी में 1 चम्मच चीनी मिला कर थोडा सा पानी मिलाएं फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे को लगाएं। यकीन मानिये इससे आपको चेहरा साफ और ग्लोंइन हो जाएगा।
सन टैनिंग से परेशान है तो आप चीनी के साथ दही का पेस्ट बना लें फिर इसी पेस्ट से अपने चेहरे को स्क्रब करें, कुछ ही दिनों में सन टैनिंग से राहत मिलेगी।

अफगानिस्तान में छूटे अमेरिका के खतरनाक हथियार कहां गए? इस देश में हो रही स्मगलिंग

वाशिंगटन। पिछले साल अमेरिका ने जब अफगानिस्तान छोड़ा था तो कुछ बड़े हथियार वहीं रह गए थे। अब सवाल यह है कि छूटे हुए हथियार वहीं है या लापता हो गए हैं? इसको लेकर अब बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान की सत्ता पर बैठे तालिबानी अब अमेरिका के बचे हथियारों को बेचने में लगा हुआ है। आपको जानकर बड़ी हैरानी होगी लेकिन तालिबान जिसे यह हथियार बेच रहा है वो देश और कोई नहीं बल्कि खुद पाकिस्तान है। सूत्रों के मुताबिक, अफगानिस्तान के जाबुल प्रांत की खुली मार्केट में अमेरिका के बड़े-बड़े हथियार बहुत ही आसानी से बिकते हुए नजर आ रहे है। इन हथियारों को स्मगलिंग के जरिए पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा हैं। अफगानिस्तान में कार्यरत पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक, तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद सरकारी सेना हजारों असॉल्ट राइफलें, बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट, मशीनगन और दूसरे हथियारों पर कब्जा कर लिया था। इन हथियारों को अब तालिबान के कमांडर जाबुल प्रांत की खुली मार्केट में बेच रहे हैं। इन हथियारों को खरीदकर पाकिस्तान पहुंचा दिया जाता है। इस बीच दक्षिण कंधार प्रांत में के लड़ाकों ने कई बड़े हथियार पकड़े हैं। इन हथियारों को स्मगलिंग करके पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा है। इन हथियारों में एके-47 राइफलें, हजारों गोलियां और 19 रॉकेट लॉन्चर शामिल हैं। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं मुल्ला अब्दुल गनी ने इस बात से इनकार कर दिया कि पाकिस्तान को हथियार पहुंचाने के मामले में तालिबान कमांडरों का कोई हाथ है। उन्होंने कहा कि ये हथियार अफगानिस्तान की संपति हैं और इन्हें किसी भी सूरत में देश से बाहर नहीं ले जाने दिया जाएगा।

प्रौद्योगिकी साझा करना चाहते हैं लेकिन आईपी से जुड़ी शिकायतें हैं: इजराइल

यरूशलम। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। इसके बीच भारत में इजराइल के राजदूत ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रौद्योगिकी साझा करने की इच्छा जताई है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने बौद्धिक संपदा नियमों के उल्लंघन को लेकर चिंता भी व्यक्त की है। इजराइल के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलन ने बुधवार को कहा कि 'मेक इन इंडिया' में हम सभी की दिलचस्पी है और भारत के साथ सहयोग की अनंत संभावनाएं भी नजर आ रही हैं। हालांकि, भारत में इजराइल की कंपनियों की ओर से उन्हें आईपी समस्या से जुड़ी तीन गंभीर शिकायतें मिली हैं। गिलन ने कहा, ''दो-तीन हफ्ते पहले हमारे रक्षा मंत्री भारत दौरे पर गए थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात हुई थी तब 'मेक इन इंडिया' के बारे में बात हुई थी। हम सभी की इसमें रुचि है और भारत के साथ सहयोग करने की अपार संभावनाएं हैं।'' उन्होंने कहा, ''इजराइल की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रौद्योगिकी का मेल, आपकी विनिर्माण क्षमता, दुनियाभर में कई और देशों में बिक्री करने की क्षमता, विशेषकर मुस्लिम देशों में आपके व्यापक राजनयिक संपर्कों की वजह से अपार संभावनाएं हैं। और इजराइल को 'मेक इन इंडिया' में बहुत दिलचस्पी है।'' गिलन ने कहा, ''हम प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए तैयार है लेकिन मैं यह भी बिलकुल स्पष्ट कहना चाहता हूं कि आईपी से संबंधित समस्या है।

इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी! फिलीपीन में पूर्व तानाशाह के बेटे ने ली राष्ट्रपति पद की शपथ

मनीला। फिलीपीन में पूर्व तानाशाह के बेटे फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने बृहस्पतिवार को देश के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राजधानी मनीला के राष्ट्रीय संग्रहालय में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। फिलीपीन में इस घटना को हाल के इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी में से एक माना जा रहा है। लेकिन, मार्कोस के विरोधियों का कहना है कि उनके परिवार की छवि सुधरने के बाद ही ऐसा हो सका है। फिलीपीन के तानाशाह एवं फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के पिता फर्डिनेंड मार्कोस को 36 साल पहले सेना के समर्थन से सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जनता के इस विद्रोह के परिणामस्वरूप मार्कोस जूनियर के पिता की वैश्विक स्तर पर काफी आलोचना हुई थी। इसके बाद फिलीपीन में लोकतांत्रिक राजनीति का स्तर ऊपर उठा। मार्कोस जूनियर के पिता के शासनकाल में अत्याचारों का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं और कुछ अन्य लोगों ने मार्कोस जूनियर के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने का विरोध किया है।

2015 में फ्रांस में आतंकियों ने सरेआम किया था मासूमों का कत्लेआम! सात साल बाद कोर्ट ने 20 लोगों को ठहराया दोषी

पेरिस। सआदत हसन मंटो एक पाकिस्तानी नाटककार और लेखक थे उन्होंने आज के जमाने से पूरी तरह से मेल खाती हुई एक बात कही थी कि 'मज़हब जब दिलों से निकलकर 'दिमाग़ पर चढ़ जाए तो ज़हर बन जाता है' और जहर क्या क्या कर सकता है इसकी जानकारी एक मासूम बच्चे को भी होती है। जैसे भारत में आज कई लोगों के दिलों में बसने वाला उनका धर्म दिमाग में चढ़ गया हैं और उदयपुर जैसी वारदातों को अंजाम दे रहा हैं, इसी तरह साल 2015 में धर्म के नाम पर मासूमों का खूब खून बहाया गया था। शार्ली एब्दो नरसंहार जैसे कई हमलों को फ्रांस में आतंकियों ने अंजाम दिया था। खुद को धर्म का ठेकेदार कहने वाले आईएसआईएसआई आतंकवादी समूह ने इन हत्याओं को उनके 'खुदा के अपमान का बदला' करार दिया था और पूरी दुनिया को धमकी दी थी कि जो कोई उनके धर्म के बारे में कुछ भी कहेगा तो उसका सरेआम कत्लेआम किया जाएगा। सरेआम मासूमों की जान लेकर इन आतंकियों को लगता है खुदा इनकों जन्नत बख्सेगा। हैवानों वाले काम करके इन्हें लगता है कि उन्हें खुदा अपने चरणों में जगह देगा! खैर दुनियां में सेकड़ों आतंकवादी समूह है और वह सालों से धर्म के नाम पर दुनिया में आतंक बचा रहे हैं। नयी-नयी तकनीकों के हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं। हथियारों के बिजनेस की आड़ में खुले बाजार में कुछ बिजनेसमैन मासूमों की जान का सौदा कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर आतंकी वारदातों की दिखावे के लिए आलोचना कर रहे हैं। सालों से यहीं चल रहा हैं।

पाकिस्तान ने उदयपुर घटना के आरोपी के इस्लामी संगठन से संबंधों की खबर को खारिज किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बुधवार को इन खबरों को खारिज किया कि उदयपुर में एक दर्जी की निर्मम हत्या करने के आरोपियों में से एक के कराची स्थित इस्लामी संगठन से संबंध रहे हैं। रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद नामक दो लोगों ने मंगलवार को भारत के राजस्थान प्रांत के उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या कर दी और वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने इस्लाम के अपमान का बदला लिया है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि दो मुख्य आरोपियों में से एक का कराची स्थित इस्लामी संगठन दावत-ए-इस्लामी से संबंध है और वह 2014 में कराची गया था। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने यहां एक बयान में कहा कि उसने भारतीय मीडिया के एक तबके में उदयपुर में हुई हत्या की घटना से संबंधित रिपोर्ट देखी है, जिसमें आरोपी व्यक्तियों के पाकिस्तान के एक संगठन से जुड़े होने की बात कही गई है। इसने कहा, ''हम इस तरह के किसी भी आरोप को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं जो नयी दिल्ली द्वारा देश (पाकिस्तान) को बदनाम करने का एक प्रयास है।

प्रतिबंध नहीं लगाए जाएं, तो रूस से सस्ता तेल खरीद सकता है पाकिस्तान: मंत्री

इस्लामाबाद। यदि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं लगाए जाते हैं, तो पाकिस्तान का इरादा रूस से सस्ता तेल खरीदने का है। मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को एक मंत्री के हवाले से यह जानकारी दी गई है। रिफिनिटिव के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान का ईंधन आयात जून में चार साल के उच्चस्तर पर पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले महीने मई के 6,30,000 टन से बढ़कर जून में 7,00,000 टन हो गया। मंगलवार को 'जियो न्यूज' के एक कार्यक्रम के दौरान पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा, ''रूस से सस्ता तेल आयात करने के बारे में पाकिस्तान का रवैया उदार है।'' हालांकि, मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान रूसी तेल को रियायती दरों पर खरीदने के लिए तैयार है, जब तक कि ''इस तरह के सौदों को सुनिश्चित करने के परिणामस्वरूप उसपर भी तरह का अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं लगाया जाता।

मनीला में नये राष्ट्रपति फर्डिनाद बोंगबोंग को शपक दिलाते हुए मुख्य न्यायाधीश एलेकजेंडर गेसमुंडो।

25वीं वर्षगांठ पर हांगकांग पहुंचे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, समर्थकों ने लहराए चीनी झंडे

हांगकांग। हांगकांग को चीनी शासन को सौंपने की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। चीनी और हांगकांग के झंडे लहराते हुए उनके समर्थकों ने कहा, ''स्वागत है, स्वागत है! गर्मजोशी से आपका स्वागत है।'' कोरोना वायरस महामारी के करीब ढाई साल पहले सामने आने के बाद चिनफिंग की मुख्य भूमि से बाहर यह पहली यात्रा है। उनकी यात्रा ऐसे समय हो रही है जब हांगकांग वायरस से संक्रमण के एक नए दौर का सामना कर रहा है। ब्रिटेन ने हांगकांग एक जुलाई, 1997 को चीन को लौटा दिया था। ट्रेन से उतरते ही चिनफिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का शहर की नेता कैरी लैम ने स्वागत किया। चिनफिंग ने उन समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया, जिन्होंने मंच पर उनका स्वागत किया। चिनफिंग ने हांगकांग वेस्ट कॉव्ल्यून ट्रेन स्टेशन पर एक भाषण में कहा, मैं हांगकांग में आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, ''मैं पिछले पांच वर्षों से हांगकांग के बारे में ध्यान दे रहा हूं। चिनफिंग ने कहा कि हांगकांग ने पिछले कई वर्षों में कई चुनौतियों का सामना किया है। चिनफिंग और पेंग बृहस्पतिवार की रात चीनी शहर शेनझेन में बिता सकते हैं। हांगकांग से शेनझेन जाने में ट्रेन के जरिये 15 मिनट का समय लगता है। वे कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार की सुबह हांगकांग लौटेंगे।

अमेरिकी राज्यों के गवर्नर चाहते हैं भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और शीर्ष अधिकारियों के समूह ने भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों और भारतीय कॉरपोरेट जगत से निवेश को अमेरिका में आने पर जोर दिया है। इस समूह में शामिल अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि इससे न केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बल्कि नए कौशल भी अमेरिका को मिलेंगे और अमेरिका में रोजगारों का सृजन होगा। वाशिंगटन में वार्षिक सिलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होने आए 100 से अधिक भारतीय उद्योगपतियों के समूह के समक्ष पेनसिल्वेनिया, अरकान्सस और कैलिफोर्निया के गवर्नरों समेत कई अधिकारियों ने अपनी बात रखी।

एक खबर के मुताबिक अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू द्वारा इंडिया हाउस में आयोजित कार्यक्रम में अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि भारतीय कारोबारियों का उनके राज्यों की अर्थव्यवस्था में योगदान है, वे नए कौशल को लेकर आते हैं और सबसे महत्वपूर्ण यह कि आकर्षक रोजगारों का सृजन करते हैं। पेनसिल्वेनिया के रिपब्लिकन गवर्नर टॉम वोल्फ ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्होंने भारत के साथ मित्रता को बनाए रखा, वह उसकी सराहना करते हैं।

अरकान्सस से डेमोक्रेटिक पार्टी गवर्नर असा हचिनसन ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को दोनों पक्षों का समर्थन हासिल है। गर्वनरों और अन्य शीर्ष अधिकारियों का स्वागत करते हुए संधू ने कहा कि भारतीय कंपनियां अमेरिका में मजबूती, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा की भावना लाती हैं। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों ने स्थानीय समुदायों के लिए रोजगारों का सृजन किया है। गौरतलब है कि अमेरिका में भारतीय समुदाय का इकोनॉमी के कई क्षेत्रों में बहुत ज्यादा दखल है। अमेरिका की कई बड़ी और शीर्ष टेक कंपनियों के आला अधिकारी इस समय भारतीय मूल के हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की एक बड़ी संख्या पेशेवर तौर विशेष रूप से आईटी सेक्टर में काफी सफल है।

इजराइल की संसद भंग, 4 साल में पांचवीं बार देश में होंगे आम चुनाव, क्या दोबारा बेंजामिन नेतन्याहू की होगी वापसी

यरुशलम। (एजेंसी)।

इजराइल की संसद बृहस्पतिवार को भंग कर दी गई और चार साल से भी कम समय में पांचवीं बार नवंबर में आम चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। देश की संसद ने इस संबंध में निर्णय लिया। इजराइल के विदेश मंत्री और निवर्तमान सरकार के गठन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले यैर लैपिड शुक्रवार को मध्यरात्रि के बाद देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनेंगे। वह 14वें व्यक्ति होंगे जो यह पदभार संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि (निवर्तमान प्रधानमंत्री) नफ्ताली बेनेट इजराइल के इतिहास में सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहे हैं। उनकी सरकार गठन होने के एक साल बाद ही गिर गई। इजराइल के इतिहास में सबसे लंबे समय 12 साल तक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपदस्थ कर बेनेट की सरकार बनी थी। इसके लिए अलग-अलग विचारधारा की आठ पार्टियां एकजुट हुई थीं। संसद को भंग करने के प्रस्ताव का 92 सदस्यों ने समर्थन किया जबकि किसी सदस्य ने इसका विरोध नहीं किया। आम चुनाव अब एक नवंबर को होंगे।

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले दुनिया में लगभग हर जगह बढ़ रहे हैं: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार वैश्विक स्तर पर 41 लाख से अधिक मामले सामने आने के बाद पिछले सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों की संख्या में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने महामारी पर अपनी नवीनतम साप्ताहिक रिपोर्ट में कहा कि दुनियाभर में मौतों की संख्या लगभग 8,500 रही, जो पिछले सप्ताह की तरह ही है। रिपोर्ट के अनुसार, तीन क्षेत्रों पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और अमेरिका में कोविड से संबंधित मौत के मामलों में वृद्धि हुई है।

बुधवार देर रात जारी रिपोर्ट के अनुसार, कोविड????-19 के नये मामलों में सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि पश्चिम एशिया में देखी गई, जहां 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया में संक्रमण लगभग 32 प्रतिशत और अमेरिका में लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने कहा कि 110 देशों में मामले बढ़ रहे हैं और ज्यादातर मामले ओमीक्रोन बीए.4 और बीए.5 के हैं। उन्होंने कहा, ''यह महामारी बदल रही है, लेकिन यह खत्म नहीं हुई है।'' उन्होंने देशों से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और 60 से अधिक उम्र के लोगों सहित अपनी सबसे संवेदनशील आबादी समूहों का टीकाकरण करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि लोगों का टीकाकरण नहीं होता है तो गंभीर बीमारी और मौत का खतरा है। टेड्रोस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर 1.2 अरब से अधिक कोविड-19 टीके लगाए जा चुके हैं और गरीब देशों में औसत टीकाकरण दर लगभग 13 प्रतिशत है।

इमरान खान ने उपहार मिली कीमती घड़ियों को बेच कर पाक के खजाने को लगाई करोड़ों की चपत

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक हरकत ने देश के खजाने को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दरअसल, विदेशी नेताओं से तोहफे में मिली तीन महंगी घड़ियों को अवैध तरीके से बेचकर इमरान खान ने 3.6 करोड़ रुपये कमाए। पाकिस्तानी मीडिया एक आधिकारिक जांच विवरण के हवाले से दावा किया है कि खान ने प्रधानमंत्री रहने के दौरान इन रत्न जड़ित कीमती घड़ियों से करोड़ों रुपये कमाए हैं जिनकी कुल कीमत 15.4 करोड़ रुपये है। पाकिस्तान के कानून के मुताबिक, विदेशी नेताओं से मिलने वाले किसी भी उपहार को सरकारी खजाने में जमा कराना होता है। खबर में कहा गया है कि सबसे महंगी घड़ी की कीमत 10.1 करोड़ रुपये थी जिसे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उसकी कीमत का 20 फीसदी देकर अपने पास रखा है। इससे पहले उनकी सरकार ने 'तोशाखाना' नियमों में बदलाव किया था और तय किया था कि तोहफे की मूल कीमत का 50 फीसदी का भुगतान करके उसे अपने पास रखा जा सकता है। किसी भी सरकारी अधिकारी के लिए जरूरी है कि वह उसे मिले तोहफे के बारे में फौरन सूचना दे ताकि उसकी कीमत का आकलन किया जा सके। अगर कोई अधिकारी उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो वह पहले उसे जमा कराए और फिर उसकी निश्चित कीमत अदा कर उसे ले सकता है।

खबर में दस्तावेजों और बिक्री की रसीदों के हवाले से कहा गया है कि तोशाखाने से अपने पैसे से इन कीमती घड़ियों को खरीदने के बजाय पूर्व क्रिकेटर ने पहले घड़ियों को बेचा और हर घड़ी के मूल्य का 20 फीसदी सरकारी खजाने में जमा करा दिया। जाहिर तौर पर तोहफों को कभी भी तोशाखाने में जमा नहीं कराया गया। तोशाखाना के दस्तावेजों से पता चलता है कि इमरान खान ने इन महंगी घड़ियों को बेचकर 3.6 करोड़ रुपये कमाए हैं जो खाड़ी के मित्र राष्ट्रों ने उन्हें दी थीं। एक घड़ी को 22 जनवरी 2019 को बेचा गया। इससे पहले तब की पीटीआई सरकार ने नियमों में संशोधन किया था और किसी भी उपहार को अपने पास रखने की कीमत उसके निर्धारित मूल्य के 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तय की थी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख 69 वर्षीय इमरान खान ने पहले पत्रकारों से साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान इस बाबत कहा था, मेरा तोहफा मेरी मर्ज़ी। यह मामला तब सामने आया था जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि खान ने अपने कार्यकाल के दौरान तोशाखाने के तोहफे दुबई में 14 करोड़ रुपये में बेच दिए। इस बीच, मौजूदा गठबंधन सरकार पर भ्रष्टाचार का इल्ज़ाम लगाते हुए इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि मुल्क की अर्थव्यवस्था तभी ठीक हो सकती है जब ज़रदारी और शरीफ परिवारों के विदेश में जमा अरबों डॉलर को वापस लाया जाए। पूर्व प्रधानमंत्री ने निष्पक्ष और पारदर्शी आम चुनाव कराने की मांग को दोहराते हुए कहा कि देश को राजनीतिक उथल-पुथल से बाहर निकालने का सिर्फ यही तरीका है।

यूएन रिपोर्ट- साल-2035 तक 67.5 करोड़ का आंकड़ा छू लेगी भारत की शहरी आबादी

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत की जनसंख्या का दबाव शहरी इलाको में काफी विस्फोटक हो सकता है यह बात यूएन की ताजा रिपोर्ट से पता चली है। भारत की शहरी आबादी के 2035 तक 67.5 करोड़ हो जाने का अनुमान है और इस मामले में देश चीन की एक अरब शहरी जनसंख्या के मुकाबले दूसरे स्थान पर होगा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया में शहरों में रहने वालों की संख्या पिछले स्तर पर पहुंच गई है और 2050 तक इसमें 2.2 अरब की वृद्धि की संभावना है। दुनिया में शहरीकरण के बारे में संयुक्त राष्ट्र की बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से शहरीकरण पर कोविड-19 महामारी का अस्थायी असर पड़ा है और इसकी रफ्तार महज थोड़ी देरी के लिये धीमी पड़ी है।

इसमें कहा गया है कि वैश्विक शहरी आबादी पिछले स्तर पर आ गयी है और 2050 तक इसमें 2.2 अरब की वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की शहरी आबादी के 2035 में 67,54,56,000 तक पहुंच जाने का अनुमान है जो 2020 में 48,30,99,000 था। वहीं 2025 तक इसके 54,27,43000 और 2030 तक 60,73,42,000 हो जाने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2035 तक शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का प्रतिशत कुल आबादी का 43.2 प्रतिशत हो जाएगा। रिपोर्ट में चीन के बारे में कहा गया है कि वहां 2030 तक शहरी आबादी 1.05 अरब हो जाएगी। जबकि एशिया में शहरों में रहने वाले लोगों की जनसंख्या 2.99 अरब होगी। दक्षिण एशिया में यह संख्या 98.76 करोड़ होगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार चीन और भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की वैश्विक आबादी में बड़ी हिस्सेदारी है तथा इन देशों में आर्थिक वृद्धि से वैश्विक असमानता पर सकारात्मक रूप से असर पड़ा है।

इसमें कहा गया है, 'एशिया में पिछले दो दशकों में चीन और भारत की आर्थिक वृद्धि और शहरीकरण तेजा से बढ़ा है। इससे गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में काफी कमी आई है।' रिपोर्ट के अनुसार खासकर निम्न आय वाले देशों में जन्म दर बढ़ने के साथ मौजूदा शहरी आबादी में वृद्धि जारी रहेगी। इसके साथ 2050 तक कुल वैश्विक आबादी में शहरों में रहने वाले लोगों की जनसंख्या 68 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है जो अभी 56 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि गरीबी और असमानता शहरों के समक्ष सबसे कठिन और जटिल समस्याओं में से एक है।

बुमराह की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी भारतीय टीम

कपिल के बाद कप्तानी करने वाले दूसरे तेज गेंदबाज होंगे

एजबेस्टन (एजेंसी)।

भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरेगी। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के कोरोना संक्रमित होने के कारण बुमराह को कप्तानी दी गयी है। रोहित अभी संक्रमित होने के कारण पृथकवास में हैं। बुमराह कपिल देव के बाद भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले दूसरे तेज गेंदबाज टीम होंगे। कपिल ने अंतिम बार 1987 में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। इस प्रकार 35 साल बाद किसी तेज गेंदबाज को भारतीय टीम की कप्तानी करने का अवसर मिल रहा है। अब तक भारत की ओर से 35 खिलाड़ियों ने कप्तानी की इस प्रकार कप्तानी कारने वाले 36वें खिलाड़ी बनेंगे।

अब बुमराह पर टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम अभी 2-1 से आगे है। ऐसे में सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को ड्रॉ की जरूरत है जबकि दूसरी ओर मेजबान टीम बराबरी के लिए जीत हासिल करने उतरेगी। .

बुमराह ने 6 साल पहले 2016 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे अब तक 29 टेस्ट, 70 वनडे और 57 टी20 इंटरनेशनल के मुकाबले खेल चुके हैं। यानी उनके पास 150 से अधिक मैच का अनुभव है. उन्होंने टेस्ट में 22 की औसत से 123 विकेट लिए हैं।

पिछले साल की तरह इस साल भी भारत और इंग्लैंड दोनों टीमें कोरोना से जूझ रही हैं पर अब हालात बदल गये हैं। पिछले साल जब यह सीरीज शुरू हुई थी तो रवि शास्त्री टीम इंडिया के कोच थे , वहीं अब राहुल द्रविड़ कोच हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान लोकेश राहुल इस सीरीज में दो सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे लेकिन अब दोनों ही इस टेस्ट मैच से बाहर हैं। रोहित कोरोना संक्रमित हैं। रोहित के विकल्प के रुप में मयंक अग्रवाल को शामिल किया गया है। भारत के नए कोच राहुल द्रविड़ और नए कप्तान जसप्रीत बुमराह हैं। पिछले साल टीम के कप्तान विराट कोहली थे जो अब एक बल्लेबाज के तौर पर टीम के साथ हैं।

भारतीय टीम के पास इस बार तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी नहीं हैं। ऐसे में अब बुमराह के पास युवा मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज हैं। स्पिनर आर अश्विन भी इस मैच में नहीं खेलेंगे।

वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड के भी कोच व कप्तान बदल गये हैं। अब टीम की कप्तानी ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के पास है जबकि कोच ब्रेडन मैककुलम हैं। जॉनी बेयरस्टो इस टीम के नायक बनकर उभरे हैं। पिछले साल इस सीरीज के आखिरी टेस्ट में वह नाकाम रहे थे। टीम के पास जेम्स एंडरसन जैसा गेंदबाज भी है।

मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पीवी सिंधु-एचएस प्रणय पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां थाईलैंड की फिटायापोर्न चेईवान को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने थाईलैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी को दूसरे दौर के 57 मिनट चले मुकाबले में 19-21 21-9 21-14 से हराया।

सातवीं वरीय भारतीय खिलाड़ी अगले दौर में चिर प्रतिद्वंद्वी चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी। दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय भी पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने चौथे वरीय चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन को 21-15 21-7 से हराया। थॉमस कप में भारत की एतिहासिक खिताबी जीत के नायकों में शामिल गैरवरीय प्रणय अगले दौर में इंडोनेशिया के सातवें वरीय जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे।

विराट से शतक नहीं मैच विजेता पारी चाहते हैं : द्रविड़

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे एकमात्र टेस्ट में मुख्य बल्लेबाज विराट कोहली से अच्छी पारी की उम्मीद कर रहे हैं पर शतक को लेकर उनपर कोई दबाव नहीं हैं। द्रविड़ ने कहा कि हम चाहते हैं कि विराट टीम को जीत दिलाने वाला प्रदर्शन करें , शतक जरुरी नहीं है। गौरतलब है कि विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। द्रविड़ ने इस धारणा को आधारहीन करार दिया है जिसमें कहा जा रहा है कि विराट में प्रेरणा की कमी है। कोच ने कहा कि खिलाड़ी अलग-अलग दौर से गुजरते हैं और मुझे नहीं लगता कि विराट में प्रेरणा की कहीं कोई कमी है। गौरतलग है कि इससे पहले आईपीएल के 15 वें सत्र में भी कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा था। द्रविड़ ने कहा, हमेशा शतक अहम नहीं है। इससे पहले केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कठिन हालात में बनाए गए उनके 79 रन भी बेहतरीन थे। विराट ने अपने करियर में इतने ऊंचे मानदंड बनाए हैं कि लोग उससे शतक की ही उम्मीद करते हैं पर एक कोच के तौर पर में मैं उससे मैच विजेता वाला प्रदर्शन चाहता हूं। भले ही वह 50 या 60 रन ही क्यों ना हों। टीम इंडिया को एजबेस्टन में 55 साल से जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम ने यहां अब तक सात टेस्ट खेले हैं। जिसमें छह में उसे हार मिली थी जबकि एक मैच बराबरी पर रहा था।

ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका: पैट कमिंस ने लगाया लंबा छक्का, गेंद स्टेडियम पार कर गिरी हाईवे पर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के बल्ले से लंबा छक्का देखने को मिला। श्रीलंकाई गेंदबाज जैफरी को मारा गया यह छक्का इतना जोरदार था कि गेंद स्टेडियम पार कर पास से गुजर रहे हाईवे पर जा गिरी। जोरदार हिट लगाकर पैट कमिंस साथी नाथन लियोन के साथ जहां मुस्कराते हुए नजर आए तो वहीं जैफरी का चेहरा उतर गया। इस छक्के के साथ ही दूसरे दिन का खेल समाप्त कर दिया गया।

इससे पहले कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 101 रन की बढ़त हासिल कर ली है। श्रीलंका की टीम पहली पारी में 212 रन पर सिमट गई थी। आस्ट्रेलिया ने रात के तीन विकेट पर 98 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए ब्रेक तक पांच विकेट पर 233 रन बना लिए। उस्मान ख्वाजा की 71 रन की पारी के बाद ग्रीन और कैरी ने मिलकर 76 रन जोड़े।

तेज हवाओं और बारिश के कारण दूसरे दिन सुबह का पूरा सत्र और मध्य के सत्र का एक घंटा बर्बाद हो गया जिसके बाद ही खेल शुरू हुआ। आस्ट्रेलिया के स्कोर में दो रन ही जुड़े थे कि टीम ने रात्रिप्रहरी ट्रेविस हेड का

विकेट गंवा दिया जिन्होंने छह रन बनाए। ख्वाजा और ग्रीन ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए 57 रन की भागीदारी निभाई। लेकिन लेग स्पिनर जेफ्रे वांडरसे ने ख्वाजा को स्कवेयर लेग पर पाथुम निसांका के हाथों कैच आउट कराकर अपने पहले टेस्ट का पहला विकेट हासिल किया।

ख्वाजा ने अपने 50वें मैच में 17वां टेस्ट अर्धशतक जड़ा जिसके लिए उन्होंने 130 गेंद खेली और सात बाउंड्री लगाई जबकि ग्रीन ने 109 गेंदों में 88 तो एलेक्स कैरी ने 45 रन बनाए। अंत में पैट कमिंस 16 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से 26रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 313 रन हो चुका है और उसके पास 101 रन की लीड है।

भारत में पहली बार होगी फार्मूला वन रेस, फरवरी 2023 में हैदराबाद करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। फार्मूला ई रेस का आयोजन अगले साल 11 फरवरी को पहली बार भारत में होगा जब हैदराबाद रेस की मेजबानी करेगा। आयोजकों ने इसकी पुष्टि की। बुद्ध अंतरराष्ट्रीय सर्किट में अक्टूबर 2013 में फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री के आयोजन के बाद देश में यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय रेस होगी जो हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। भारत के अलावा ब्राजील भी 25 मार्च को पहली बार फार्मूला ई रेस की मेजबानी करेगा। फार्मूला ई और मोटरस्पोर्ट्स की संचालन संस्था फिया ने आगामी नौवें सत्र (2022-23) का अस्थाई कार्यक्रम जारी किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'दो बड़े मोटरस्पोर्ट्स स्थल पहली बार फार्मूला ई रेस का स्वागत करेंगे। चैंपियनशिप का चौथा दौर भारत के हैदराबाद में 11 फरवरी को होगा जबकि ब्राजील के प्रशंसक 25 मार्च को सातवें दौर में साओ पाउलो ई-प्री देख पाएंगे।' इसी साल तेलंगाना सरकार और फार्मूला ई अधिकारियों ने हैदराबाद में रेस की मेजबानी के लिए लैटर आफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए थे।

श्रीलंका-ऑस्ट्रेलिया मैच में आंधी और बारिश बनी बाधा

गाले। यहां श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन खराब मौसम के कारण बाधा आयी है। तेज आंधी और बारिश के कारण मैच समय से शुरु नहीं हो पाया है। यहां तक की स्टेडियम का एक स्टैंड भी गिर गया। स्थानीय समयानुसार दूसरे दिन का खेल सुबह 10 बजे शुरू होना था। बारिश और तेज हवा के कारण अब यह मैच ड्रॉ होना तय नजर आ रहा है।

श्रीलंकाई टीम पहले दिन 212 रनों पर सिमट गयी थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य स्पिनर नाथन लायन ने 25 ओवर में 90 रन देकर कुल 5 विकेट लिए थे। वहीं युवा लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन ने भी पांच विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलिया की भी शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर 25 रन ही पेवेलियन लौट गये। 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए मार्नस लाबुशेन भी 13 रन बनाकर आउट हो गये। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी 6 रनों बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर 98 रन बनाये थे।

भारतीय टेस्ट टीम में अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रहा हूं : शार्दुल ठाकुर

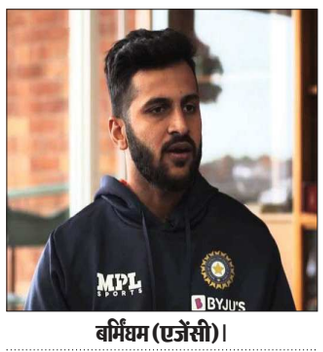

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले भारतीय आलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा कि वह टीम में अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रहे हैं और जब तक मुख्य गेंदबाज ब्रेक पर हैं तो वह निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर और प्रभाव डाल सकते हैं।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ठाकुर ने 'बीसीसीआई टीवी' से कहा, 'इस समय हमारे तेज गेंदबाजी विभाग में हर कोई अच्छा प्रदर्शन कर रहा है जिनमें (मोहम्मद) शमी, (जसप्रीत) बुमराह, उमेश (यादव - जब भी उन्हें मैच मिलता है) शामिल हैं। इशांत (शर्मा) इसमें थे और आमतौर पर वे नयी गेंद से शुरूआत करते और कई दफा ऐसा होता कि वे पहले स्पैल में दो-तीन विकेट झटक लेते और मुझे बाद में गेंदबाजी का मौका मिलता।'

ठाकुर अकसर चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वह मुश्किल परिस्थितियों में गेंदबाजी करना पसंद करते हैं और वह प्रभाव डालने के लिए इसे सही समय भी मानते हैं।' उन्होंने कहा, 'मौका तब बनता है जब कोई भागीदारी हो रही होती है और मुख्य गेंदबाज को आराम दिया जाना है और तीसरे और चौथे गेंदबाज को स्पैल में ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इस मौके पर, मेरे लिए एक विकेट चटकाने और टीम के लिए कुछ करने का मौका रहता है।'

ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की स्थितियों में गेंदबाजी करना मेरा काम है और मुझे यह पसंद है क्योंकि अगर मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं तो इससे खेल पर असर पड़ता है।' पालघर के इस तेज गेंदबाज ने ओवल में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड पर 157 रन की जीत में अहम भूमिका अदा की थी। ठाकुर उस भारतीय टीम में शामिल हैं जो शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट में खेलेगी।

तीस साल के इस गेंदबाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि इंग्लैंड गेंदबाजों के लिए जन्नत की तरह है, वे ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि गेंद काफी स्विंग करती है और कभी कभार आप एक ही स्पैल में काफी विकेट झटक लेते हो। इसलिए मुझे लगता है कि क्रिकेट खेलने और गेंदबाजी करने के लिए इंग्लैंड मेरे पसंदीदा स्थल में से एक है। इंग्लैंड में काफी 'लेटरल मूवमेंट' होता है और यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसका इस्तेमाल किस तरह करते हो।' ठाकुर ने ओवल में चौथे टेस्ट में अहम भूमिका निभायी थी, उन्होंने दो महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़ने के साथ दोनों पारियां में अहम विकेट चटकाये थे। पहले मैच में उन्होंने 36 गेंद में 57 रन बनाये जिससे भारत को 191 रन का स्कोर बनाने में मदद मिली। दूसरी पारी में उन्होंने 72 गेंद में 60 रन बनाये। अपने प्रदर्शन को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'ये महत्वपूर्ण पारियां थीं। इंग्लैंड बड़ी बढ़त बना सकता था लेकिन हम वापसी करने में सफल रहे।' उन्होंने कहा, 'जब आप इस तरह की पारियां खेलते हो, इससे टीम के साथी प्रेरित होते हैं कि हमें मैच में वापसी करने का एक अच्छा मौका मिला है। इसका गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर भी असर दिखता है।%

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पर कोविड का साया, खिलाड़ी सहित दो सदस्य पाए गए पॉजिटिव

बेंगलुरू। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के तैयारी शिविर पर बृहस्पतिवार को कोविड-19 का प्रकोप दिखा जब स्ट्राइकर गुरजंत सिंह और मुख्य कोच ग्राहम रीड सहित पांच खिलाड़ी वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए और उन्हें यहां पृथकवास पर रखा गया है। बुधवार सुबह आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया था। संक्रमित लोगों में हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं। हॉकी इंडिया ने बिना किसी का नाम लिए मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'राष्ट्रमंडल खेल 2022 की तैयारी कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दो खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं।' टीम के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'गुरजंत और ग्राहम रीड संक्रमित हो गए हैं। टीम का वीडियो विश्लेषक भी पॉजिटिव पाया गया है।' यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के परिसर में चल रहे शिविर में 31 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जिसमें पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह, पवन, ललित कुमार उपाध्याय, हरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार और अमित रोहिदास शामिल हैं। खिलाड़ी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेल्जियम और नीदरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद शिविर में पहुंचे हैं। शिविर 23 जुलाई को संपन्न होगा जिसके बाद टीम बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना होगी।

डेविस कप 2022 : भारत 16-17 सितंबर को नार्वे से भिड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली = अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरूवार को घोषणा की कि मेजबान नार्वे ने पुष्टि की है कि वे अपने अगले विश्व ग्रुप एक मुकाबले में 16-17 सितंबर को भारतीय डेविस कप टीम की मेजबानी करेंगे। मेजबान के पास गुरूवार-शुक्रवार या फिर शुक्रवार-शनिवार को खेलने का विकल्प था। नार्वे ने शुक्रवार-शनिवार का विकल्प चुना। भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहली बार नार्वे से भिड़ेगा। एआईटीए ने बयान में कहा- भारत और नार्वे डेविस कप इतिहास में पहली बार एक दूसरे से भिड़ेंगे और हमें भारतीय टीम से कुछ शानदार टेनिस देखने की उम्मीद है।

मरें विम्बलडन टेनिस में हारे, जोकोविच अगले दौर में पहुंचे

विंबलडन । ब्रिटेन के शीर्ष टेनिस स्टार एंडी मरें को विम्बलडन टेनिस में हार का सामना करना पड़ा है। मरें को पुरुष एकल के दूसरे के मुकाबले में अमेरिका के जॉन इसनर ने चार सेट में 6-4, 7-6 (4), 6-7 (3), 6-4 से हराया। अब इसनर का मुकाबला तीसरे दौर में यानिक सिनर से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में सर्बिया के नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये हैं पर फ्रेंच कास्पर रूड हार के साथ ही बाहर हो गये। वहीं महिला वर्ग में एनेट कोंटावीट को जर्मनी की ज्यूक नीमियर ने 4-6, 0-6 से हरा दिया। एक अन्य मुकाबले में गारबाइन मुगुरुजा को ग्रीट मिनेन ने 6-4, 6-0 से हराया। गत वर्ग की उप विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा, जेसिका पेगुला, एंजेलिक कर्बर और येलेना ओस्टापेंको जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी हैं।

सानिया मिर्जा और उनकी जोड़ीदार विम्बलडन के पहले दौर से बाहर

विम्बलडन। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा अपने आखिरी विम्बलडन में चेक गणराज्य की लूसी राडेका के साथ पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई। सानिया और लूसी को पोलैंड की मैगडलीना फ्रेंच और ब्राजील की बीत्रोज हदाद माइया ने 4.6, 6.4, 6.2 से हराया।

सानिया ने यहां 2015 में मार्तिना हिंगिस के साथ पहली बार युगल खिताब जीता था। पिछले साल वह मिश्रित युगल के तीसरे दौर में हार गई थी। अभी उन्हें मिश्रित युगल में क्रोएशिया के मेट पेविच के साथ खेलना है। दोनों का सामना पहले दौर में नटेला डी और डेविड वेगा हर्नांडिज से होगा।

अपनी फिटनेस से टीम के लिए मिसाल बनना चाहती हूं : हरमनप्रीत कौर

पल्लीकल (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्णकालिक कप्तान के रूप में शुरूआत करने जा रही हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह अपनी टीम की फिटनेस और फील्डिंग के स्तर में सुधार चाहती हैं। टी20 कप्तान हरमनप्रीत को मिताली राज के संन्यास लेने के बाद वनडे टीम की कमान भी सौंपी गई है। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला शुक्रवार से शुरू होगी जो वनडे कप्तान के रूप में उनकी पहली चुनौती है।

हरमनप्रीत ने कहा, 'मैने टीम के लिए लक्ष्य तय किए हैं और फिटनेस सबसे अहम है। कौशल के लिए हमारे पास कोच हैं लेकिन मैं फिटनेस के लिए खुद अपने खिलाड़ियों के सामने मिसाल पेश करना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, 'फिटनेस और फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। यदि ऐसा हो गया तो आप सर्वश्रेष्ठ टीम बन सकते हैं।' काफी समय से टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि उन्हें कप्तानी में मजा आता है और पूर्णकालिक कप्तान बनने का कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है।

उन्होंने कहा, 'जब मैं कप्तानी कर रही होती हूं तो अधिक जुड़ाव महसूस करती हूं। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मैदान पर नेतृत्व कौशल मेरे भीतर कुदरती है।' हरमनप्रीत ने कहा, 'इतने साल से कप्तानी के बाद चीजें आसान हो गई हैं। मुझे अतिरिक्त दबाव महसूस नहीं होता। अगर मैं कप्तान के तौर पर खेल का आनंद लूंगी तो बाकी भी लेंगे। खिलाड़ियों को आजादी देने पर प्रदर्शन बेहतर होता है और यही मेरा लक्ष्य है।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि हमारे साथ खेल मनोवैज्ञानिक भी फिर होंगी। मुग्धा मैम ने हमारे लिए बहुत कुछ किया। विश्व कप में उन्होंने मेरी काफी मदद की। टीम को उनके जैसे लोगों की जरूरत है। दुख की बात है कि वह इस दौरे पर हमारे साथ नहीं है।' मग्धा बर्वे विश्व कप के दौरान खेल मनोवैज्ञानिक के तौर पर टीम के साथ थी। आईसीसी चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने हाल ही में महिला टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता जताई थी। हरमनप्रीत ने कहा, 'मैने अपने कैरियर में दो या तीन टेस्ट ही खेले हैं। अधिक खेलने पर ही पता चलेगा कि भविष्य कैसा है। हम टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं क्योंकि वही देखकर हम बड़े हुए हैं।'

महाप्रभु की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा लाखों भक्तों के स्वागत के लिए जगन्नाथ धाम तैयार

भुवनेश्वर, एमएस संवाददाता: लाखों भक्तों के समागम के बीच एक जुलाई आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि में शुक्रवार को महाप्रभु जगन्नाथ जी की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा निकाली जाएगी। महाप्रभु की रथयात्रा में शामिल होने वाले लाखों भक्तों का स्वागत करने के लिए पुरी जगन्नाथ धाम पूरी तरह से तैयार है। प्रशासन की तरफ से जल, थल, नभ हर जगह सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। किसी भी गतिविधि पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बड़दांड के दोनों तरफ इमारतों पर शार्प शूटर तैनात कर दिए गए हैं।

कोरोना महामारी के कारण दो साल बाद भक्तों को रथारूढ़ भगवान का साक्षात दर्शन करने तथा रथ खींचकर पुण्य कमाने का अवसर मिला है, ऐसे में इस इस साल की रथयात्रा में शामिल होने के लिए भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जगन्नाथ धाम में मौजूद होटल, लाज एवं धर्मशाला में पहले से ही भक्त पहुंच गए हैं। आज सुबह से पूरे बड़दांड में जगन्नाथ मंदिर से लेकर गुंडिचा मंदिर तक भक्त नृत्य गीत गाकर प्रभु के आगमन का इंतजार कर रहे हैं। रथयात्रा के एक दिन पहले से ही जगन्नाथ धाम पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है। श्रीजगन्नाथ स्वामी नयन पथ गामी भव तुमे के जयकारे से पुरी धाम गुंजयमान हो रहा है।

वहीं रथयात्रा में भक्तों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन की तरफ से त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जल, थल, नभ में सुरक्षा के कड़े पहरे लगा दिए गए हैं। समुद्र में दिन तमाम हेलीकाप्टर पैंतरे मार रहा है। कोस्टगार्ड के कर्मचारी समुद्र किनारे मुस् ?तैदी से तैनात है। जानकारी के मुताबिक रथयात्रा के लिए शहर में १८० प्लाटुन पुलिस बल तैनात किए गए हैं।इसमें २५० इंस्पेक्टर, १० आईजी स्तर के अधिकारी, २०० एसपी तथा अतिरिक्त एसपी स्तर के अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। कुल मिलाकर लगभग १० हजार से ज्यादा पुलिस कर्मचारी व अधिकारी रथयात्रा में सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। उसी तरह से पुरी जगन्नाथ में खासकर बड़दांड को मिलाकर विभिन्न जगहों पर ८० से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कुल मिलाकर विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा में सुरक्षा के ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा।

पुरी जगन्नाथ मंदिर से मिली जानकारी के मुताबिक रथयात्रा के दिन शुक्रवार को भोर ४ बजे मंदिर का दरवाजा खोला जाएगा। इसके बाद सुबह ६ बजे मंगल आरती, ६ बजकर १० मिनट पर मइलम यानी प्रभु का वस्त्र बदला जाएगा। सुबह ६:३० बजे तड़प लागी यानी भगवान को फुलों से सजाया जाएगा और रसोई शाला में रोष होम अर्थात हवन किया जाएगा। ७ बजे अवकाश नीति होगी, जिसमें भगवान को मंत्र स्नान कराया जाएगा।

छह उपलब्धि हासिल करने वाले राज्यों में ओडिशा के आंकड़े: रिपोर्ट

भुवनेश्वर:उद्योग संवर्धन विभाग द्वारा जारी बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (बीआरएपी) २०२० मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा को महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों के साथ छह ठअचीवरठ राज्यों में वर्गीकृत किया गया है। और आंतरिक व्यापार गुरुवार को।

ओडिशा सरकार के सूत्रों ने यहां कहा। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री और कपड़ा पीयूष गोयल और डीपीआईआईटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

२०२० सुधार अभ्यास का पांचवा संस्करण था। इसमें १५ सुधार विषयों और ४० से अधिक सुधार क्षेत्रों में फैले ३०१ सुधार थे, जिसने देश में डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और निवेशकों के विश्वास में परिवर्तन किया।

ओडिशा ने अझ्घ्ऊ द्वारा सुझाए गए ३०१ सुधारों में से ९० प्रतिशत से अधिक को लागू करके और ८० प्रतिशत से अधिक सकारात्मक उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया प्राप्त करके वर्तमान चक्र में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है।

राज्य द्वारा चक्र में किए गए कुछ प्रमुख सुधारों में नए पार-ई-श्रम पोर्टल की स्थापना, श्रम और ईएसआई विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सभी सेवाओं के लिए वन-स्टॉप-शॉप के साथ-साथ जीओ के साथ एकीकरण शामिल है। -स्विफ्ट पोर्टल, ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से ऑटो-नवीनीकरण और ८ बी २ जी सेवाओं के नवीनीकरण को समाप्त करना, भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण, ड्रग लाइसेंस के लिए ऑनलाइन सिस्टम, पर्यावरण मंजूरी, उत्पाद शुल्क सेवाओं का डिजिटलीकरण।

राज्य ने अपने सिंगल विंडो सिस्टम गो स्विफ्ट को सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास सुविधाओं जैसे ट्रिकल फीड मैकेनिज्म के साथ एकीकृत भुगतान प्रणाली, ५४ε उ२ँ सेवाओं के लिए एक एकल आवेदन, एक ऑनलाइन दस्तावेज़ अभिलेखीय सुविधा, एक ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र और एकीकरण के साथ अपग्रेड किया है। नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम के साथ।

इसके अलावा, बीआरएपी अभ्यास के तहत किए जा रहे सुधारों के साथ, ओडिशा सरकार ने खनन क्षेत्र में भी बड़े सुधार किए हैं, बोझ नियामक अनुपालन को कम करने के उपाय किए हैं और यह ओडिशा लोक सेवा अधिनियम के तहत ४०० से अधिक सेवाओं को भी लाया है। २०१२ ताकि उ२ँ और उ२ण सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके।

पिछले कुछ वर्षों में सुधारों के लगातार कार्यान्वयन ने ओडिशा को धातु के बहाव, रसायन और पेट्रोकेमिकल, कपड़ा और परिधान, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन सहित कई क्षेत्रों में व्यापक निवेश आकर्षित करने में सक्षम बनाया है।

रथ यात्रा; सबसे प्रमुख हिंदू त्योहारों में से एक

जाजपुर; पुरी, ओडिशा की रथ यात्रा, भारत का सबसे बड़ा रथ उत्सव है, जहां हजारों तीर्थयात्री रथ खींचने के लिए उपयोग करते हैं। त्योहार महान आध्यात्मिक मूल्य रखता है। ऐसा माना जाता है कि जो कोई भी जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा में भाग लेता है उसे सुख और धन की प्राप्ति होती है। लेखक इंग्निएर ताराप्रसाद मिश्रा ने कहा कि सबसे प्रमुख हिंदू त्योहारों में से एक, ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा १ जुलाई को आयोजित की जाएगी। हर साल, त्योहार हिंदू धर्म के अनुसार आषाढ़ महीने की शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि को सभी पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। पंचांग। इस दिन, भगवान जगन्नाथ, अपने भाई भगवान बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ, १२ वीं शताब्दी के मंदिर से बाहर आते हैं और रथों पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। एक वर्ष में यह एकमात्र अवसर होता है जब देवता मुख्य मंदिर के गर्भगृह को छोड़कर गुंडिचा मंदिर में ९ दिनों तक रहते हैं। पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को रथयात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष द्वितीया तिथि ३० जून को सुबह १०:४९ बजे से शुरू होकर १ जुलाई को दोपहर ०१:०९ बजे तक प्रभावी रहेगी. चूंकि १ जुलाई को सूर्य द्वितीया तिथि में उदय होगा, इसलिए यह पर्व आज मनाया जाएगा. शुक्रवार। ऐसा माना जाता है कि यह वर्ष का एकमात्र अवसर है जब ब्रह्मांड के स्वामी भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के लिए मंदिर से बाहर आते हैं, जो मंदिर के अंदर नहीं जा सकते। एक अन्य किंवदंती के अनुसार, जैसा कि राजा इंद्रद्युम्न की तत्कालीन रानी गुंडिचा से वादा किया गया था, भगवान जगन्नाथ वर्ष में एक बार रानी के नाम पर मंदिर जाते हैं। हर साल, रथ यात्रा के दौरान, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा मुख्य मंदिर में अपना नियमित निवास छोड़ कर गुंडिचा मंदिर जाते हैं, जो जगन्नाथ मंदिर से लगभग ३ किमी दूर है। फिर, वे वहाँ आठ दिन तक रहते हैं। यह भी माना जाता है कि रथ यात्रा के चौथे दिन भगवान जगन्नाथ की पत्नी देवी लक्ष्मी भगवान की तलाश में गुंडिचा मंदिर आती हैं। आठ दिनों तक गुंडिचा मंदिर में रहने के बाद, देवता नौवें दिन अपने घर वापसी की यात्रा करते हैं, जिसे बहुदा यात्रा के रूप में जाना जाता है। यह दिन आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। रथ यात्रा से पहले, भगवान जगन्नाथ के भक्तों द्वारा उनके सुखद प्रवास के लिए गुंडिचा मंदिर की सफाई की जाती है। यात्रा के दिन, भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के लिए तीन अलग-अलग रथ तैयार किए जाते हैं। तीनों के रथों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए भारी भीड़ खींचती है। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, भगवान बलभद्र के रथ को तलध्वज और देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन कहा जाता है। रथ यात्रा के दिन सेवकों द्वारा देवताओं को रथों पर ले जाया जाता है, जिसे एक पारंपरिक जुलूस के रूप में जाना जाता है, जिसे पहाड़ी बीजे कहा जाता है। उसके बाद पुरी के राजा, जो गजपति के नाम से जाने जाते हैं और भगवान जगन्नाथ के पहले सेवक हैं, रथों को शुद्ध करते हैं। इसे छेरा पहाड़ कहा जाता है, जिसके दौरान रथों की सफाई की जाती है। इस अनुष्ठान के बाद भक्तों द्वारा रथों को गुंडिचा मंदिर की ओर खींचा जाता है।

कटक में एक घंटा के लगातार बारिश से शहर हुआ जलमग्न

गर्मी से लोगों को मिली राहत

सीडीए के निचले इलाकों में भरा पानी, आवागमण में हुई कठिनाई

कटक:- कटक में लगातार बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली वहीं सड़कों पर जलमग्न होने से लोगों को आने जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. गुरुवार को दोपहर १ बजे से लगातार १ घंटे तक मूसलाधार बारिश होती रही जिससे कटक के कई निचले इलाकों में जलजमाव देखने को मिला साथ ही लोगों के आवागमन में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. सीडीए सेक्टर ६ में घुटनों भर पानी भरा हुआ दिखा जिससे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. सड़कों पर जलजमाव होने के कारण नाली का गंदा पानी एवं कचरा भी बहते हुए देखा गया. लोगों में यह भी चर्चा देखी गई की इस तरह नालो कि पानी सड़कों पर बहता रहा तो लोगों को कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो सकती है. गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व सीडीए सेक्टर ६ एवं ७ के स्थानीय लोगों ने सीएमसी कमिश्नर को लिखित रूप से सड़कों की मरम्मत एवं जल जमाव की समस्या से निजात को लेकर एक ज्ञापन भी दिया गया था लेकिन उस पर अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया है. जिससे स्थानीय लोगों में रोष देखा जा रहा है.

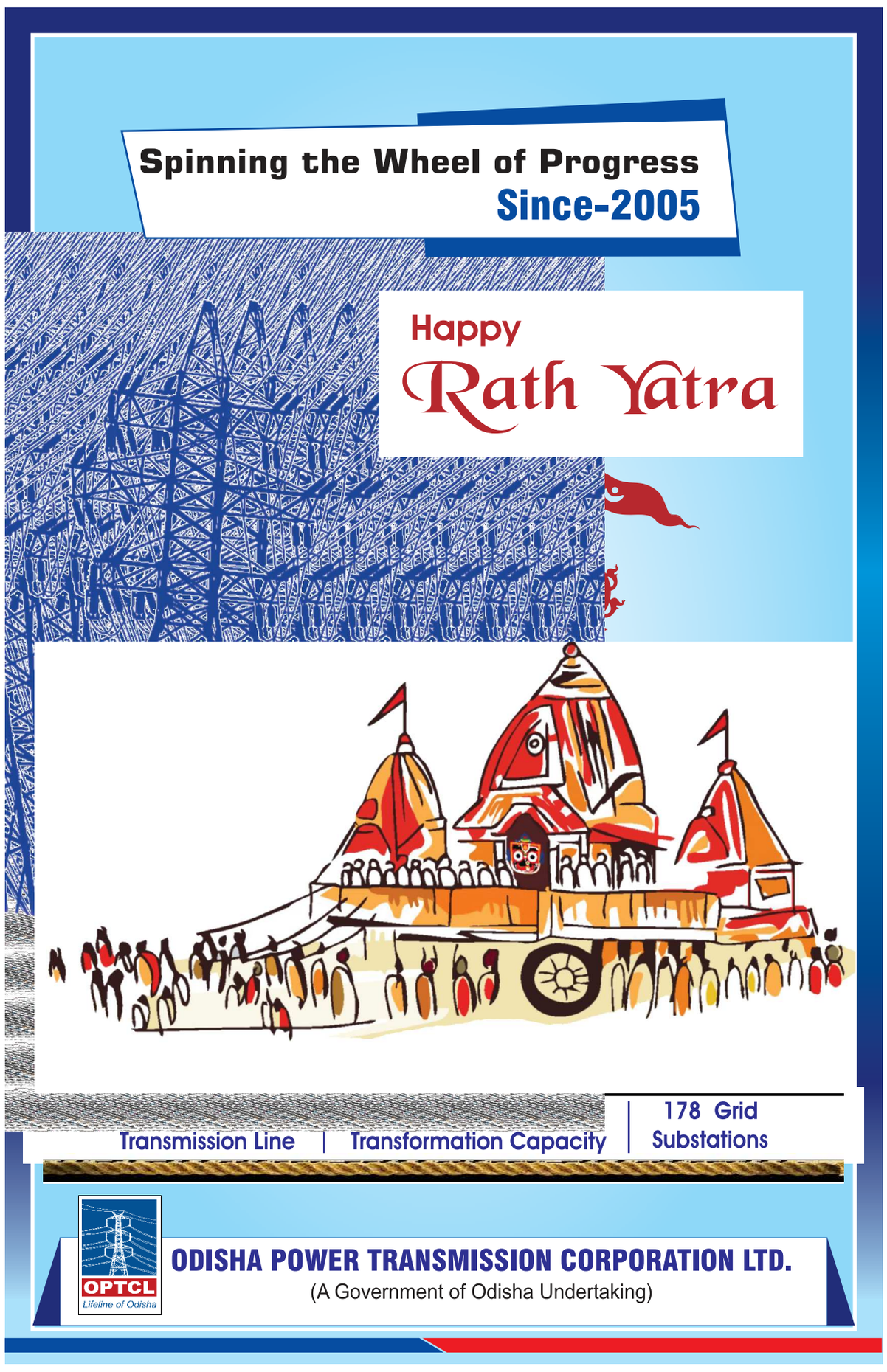

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र